सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

प्रधान संपादकः रतन प्रकाश सिंह

www.swarajindianews.com swarajindianews swarajindianews

दैनिक सांध्यकालीन

स्वराज इंडिया

» Pg12

दिव्यांगों की हिम्मत, प्रतिभा व सफलता नए भारत की शक्ति

कानपुर, बुधवार, 03 दिसंबर, 2025
वर्षः 02, अंकः 322, पृष्ठः 8+4, मूल्यः ₹ 2/-

इनसाइड दुष्कर्म पीड़िता ने किया आत्महत्या का प्रयास,हालत गंभीर... » Pg02

लखनऊ के लुलु हाइपर मार्केट सहित सात पर छापेमारी

मॉल्स परोस रहे सड़ांध भरा एक्सपायरी डेट का भोजन!

सीएम योगी के निर्देश पर गंदगी, लाइसेंस की अनियमितता और खराब हाइजीन पर सख्ती, चार फूड आउटलेट्स का बंद, दर्जनों के लिए नमूने

केएफसी में मिली गंदगी, डबरू द चाप बंद

सेहत से खिलवाड़

» खाद्य विभाग की 14 टीमों ने पलासियो, फीनिक्स, लुलु, सिनेपोलिस, एमरल्ड, वेव और फोनिक्स मॉल में की एक साथ जांच।

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए) की टीम ने सीएम योगी के निर्देश पर लखनऊ में बड़ा एक्शन लिया है। करीब 14 टीमों ने सात मॉल में 61 ठिकानों पर रेड मारी और कार्रवाई की। जांच में चार मॉल में खामियां पाई गईं, जिनमें से लुलु हाइपर मार्केट को सील कर दिया गया है। वहीं केएफसी को कमियों में सुधार होने से काम पूरी तरह बंद रखने का आदेश दिया गया है। लूलू, पलासियो, फीनिक्स, सिनेपोलिस, एमरल्ड, वेव और फोनिक्स मॉल में एक साथ सघन निरीक्षण किया। इसका मकसद एक ही था कि जो खाना आप और आपका परिवार मॉल में खाते हैं, वह पूरी तरह सुरक्षित हो।

यूपी के लखनऊ के लुलु हाइपर मॉल समेत प्रदेश के कई बड़े मॉल्स में बिक रहे खाने की दुकानों पर खाद्य सुरक्षा ने छापेमारी की। जांच में सामने आया कि कुछ फूड आउटलेट्स में एक्सपायर्ड प्रोडक्ट्स पर एक्सपायरी डेट का लेबल बदलकर बेचते थे। गड़बड़ी पाए जाने पर कई प्रतिष्ठानों को तुरंत बंद कर दिया गया और दर्जनों से खाद्य नमूने लिए गए। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन ने लखनऊ के सभी ब? मॉल्स के फूड कोर्ट्स में एक साथ छापेमारी की। खाद्य विभाग की 14 टीमों ने लुलु, पलासियो, फीनिक्स, सिनेपोलिस, एमरल्ड, वेव और फोनिक्स मॉल में एक साथ जांच की किया। इस चेकिंग में खासतौर पर गंदगी, लाइसेंस की अनियमितता और खराब हाइजीन पर सख्ती दिखाई गई। खामी पाए जाने पर एफएसडीए की टीमों ने चार ब? फूड आउटलेट्स का खाद्य कारोबार तुरंत बंद करा दिया। साथ ही दर्जनों प्रतिष्ठानों से खाद्य नमूने लिए गए। इसके अलावा कई को सुधार नोटिस थमाया।

मैन्युफैक्चरिंग डेट में भी गड़बड़ी

लुलु हाइपर मॉल में मैन्युफैक्चरिंग डेट बदलने और लाइसेंस की गड़बड़ी का खेल चल रहा था। जब तक सामान न मिले तब तक एक्सपायरी डेट का लेबल बदलकर काम चलाते थे। साथ ही लाइसेंस में भी खेल किया था। इस कारण एफडीएसए ने पूरा फूड सेक्शन बंद कर दिया गया। डबरु द चाप भी बिना लाइसेंस चल रहा था, उसे लाइसेंस मिलने तक बंद किया गया। टुंडे कबाबी, चिलीज, करीम्स जैसे बड़े रेस्टोरेंट्स से नमूने लिए गए और सुधार नोटिस दिए गए। सिनेपोलिस मॉल के केएफसी में गंदगी पाई गई, इसलिए उसका कारोबार रोक दिया गया। नूडल स्टेशन और कुछ अन्य आउटलेट्स को भी सुधार करने के लिए नोटिस दिया गया।

पलासियो मॉल में स्काई ग्लास, रॉयल कैफे, मोती महल और छप्पन भोग जैसे 10 रेस्टोरेंट्स से सबसे ज्यादा नमूने लिए गए। पिज्जा हट, ईयर सब और चोको फाउंटेन ठीक पाए गए। इसके अलावा बीकानेर वाला, केएफसी और नाथूज को सुधार नोटिस मिला। वेव मॉल में भी केएफसी और बरिस्ता को नोटिस दिया गया।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर एफएसडीए की छापेमारी प्रशासन आयुक्त डॉ. रोशन जैकब के नेतृत्व में हुई इस बड़ी कार्रवाई का मकसद एक ही था कि जो खाना आप और आपका परिवार मॉल में खाते हैं, वह पूरी तरह सुरक्षित हो।

बहरहाल, मॉल की चकाचौंध से पेट की सुरक्षा साबित नहीं होती। जिस थाली में 'ब्रांड' परोसा जाता है, उसमें सफाई और ताज़गी भी उतनी ही ज़रूरी है। एक्सपायरी डेट देखकर ही खरीदें और खाने की खुशबू पर नहीं, उसकी सच्चाई पर ही भरोसा करें।

मॉल और बड़े रेस्टोरेंट सुरक्षित हों, यह मान लेना भी भूल है सड़क किनारे ठेले पर मिलने वाला गरम, ताज़ा बना खाना कई बार कहीं अधिक सुरक्षित हो सकता है। खाना वहीं खाएँ जहाँ पकता दिखाई दे, सफाई और पानी की व्यवस्था और गुणवत्ता भी स्पष्ट हो।

सिर्फ घूमने और सेल्फी पॉइंट स्पॉट बनकर रहे गए हैं मॉल

शहर के बड़े मॉल चमक-दमक में भले शानदार दिखते हों, पर सवाल यह है कि क्या यहाँ मिलने वाला खाना सुरक्षित है? कई आउटलेट लाइसेंस तक नहीं दिखा पाए, कुछ जगह सफाई नहीं मिली, तो कहीं तारीखें बदलकर सामान बेचे जाने के आरोप सामने आए। ऐसे में यह चिंता स्वाभाविक है कि जहाँ लोग परिवार और बच्चों के साथ निश्चिंत होकर खाते-पीते हैं, वहीं मानक पूरे न होना क्या सेहत से खिलवाड़ नहीं? मॉल अब सिर्फ़ घूमने और सेल्फी लेने की जगह तो नहीं बन गए, जहाँ सुविधा है पर भरोसा नहीं? प्रशासन की कार्रवाई ने साफ़ कर दिया है कि चमकदार बोर्ड, एसी और भीड़ गुणवत्ता की गारंटी नहीं दस्तावेज़, साफ़-सफ़ाई और नियम ही असली सुरक्षा हैं।

इन पर हुई कार्रवाई

लूलू हाइपर मॉल में खाद्य पदार्थों की मैन्युफैक्चरिंग तिथि को दोबारा निर्धारित करने तथा लाइसेंस संख्या सही प्रवर्ग में अंकित न होने पर संचालन में सुधार होने तक प्रतिष्ठान को बंद कराया गया। डबरु द चाप को बिना उपयुक्त दस्तावेज/लाइसेंस के संचालन पाए जाने पर लाइसेंस प्राप्त करने तक प्रतिष्ठान को बंद कराया गया। केएफसी में अस्वच्छ एवं अस्वस्थकर परिस्थितियों के कारण खाद्य कारोबार संचालन रोका गया। टुंडे कबाबी से नमूने एकत्रित कर सुधार करने की सूचना जारी की गई।

वहीं चिलीज़ के नमूने लिए गए और सुधार नोटिस जारी हुआ। करिम्स में नमूने लिए गए एवं सुधार सूचना जारी की गई। लखनऊ लाजवाब नवाबी, इनडल्ज का नमूना लिया गया एवं सुधार नोटिस जारी हुई। चाइनीज ओवन का नमूना लिया गया। डेजर्ड का नमूना लिया गया। फन रिपब्लिक मॉल में बिकानेर वाला (नमूना), नाथू स्टोर, मद्रासी डोसा, तवाक, केएफसी, फन सिनेमा सभी को सुधार नोटिस जारी किया गया। इसी तहर वेव मॉल में केएफसी, बरिस्ता, सेन्चूरियन, तमासा को कमियों पर सुधार करने का नोटिस जारी हुआ। फीनिक्स मॉल (कानपुर रोड) में बेबी भाई, बर्गर किंग, डोसा प्लेनेट (2 नमूने), बिरयानी ब्लू, रेडी कैफ़े, कैफ़े कॉफी डे का भी निरीक्षण किया गया।

कानपुर देहात : दुष्कर्म पीड़िता ने किया आत्महत्या का प्रयास,हालत गंभीर

आरोपी हिरासत में,पुलिस पर लापरवाही का आरोप विभागीय जांच शुरू

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। रूरा थाना क्षेत्र में एक दुष्कर्म पीड़िता ने आत्महत्या का प्रयास किया है।युवती की हालत अभी गंभीर बनी हुई है और उसे उपचार के लिए कानपुर के हैलट अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना 10 अक्टूबर को हुई।घटना के मुताबिक पीड़िता जब घर लौट रही थी तभी गांव के एक युवक ने रास्ते में उसे रोक लिया।आरोपी युवती को एक बंद कमरे में ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया।घटना से आहत होकर युवती ने उसी दिन आत्महत्या का प्रयास किया।

परिजनों ने उसे गंभीर हालत में पहले रूरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया।हालत में सुधार न होने कर वहां से उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया

और फिर कानपुर के हैलट अस्पताल में भर्ती कराया गया।परिजनों ने बताया कि उनकी बेटी का लंबे समय से उपचार चल रहा है।लेकिन उसकी हालत में सुधार नहीं हो रहा है।

उन्होंने आरोप लगाया कि आरोपी आसिफ कई महीनों से युवती के साथ छेड़छाड़ और अश्लील हरकतें करता आ रहा है।परिजनों का कहना है कि उन्होंने इस मामले की शिकायत पुलिस से की थी परन्तु समय पर कोई ठोस कार्यवाही नहीं हुई।पुलिस की निष्क्रियता के कारण ही युवती यह कदम उठाने पर विवश हुई।

परिजनों ने आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्यवाही और पीड़िता के लिए न्याय की मांग की है।फिलहाल पीड़िता की हालत गंभीर बनी हुई है।

मामले में अपर पुलिस अधीक्षक राजेश पांडेय ने बताया कि परिजनों की शिकायत पर आरोपी आसिफ को हिरासत में ले लिया गया है।

आरोपी से पूँछतांछ की जा रही है।उन्होंने यह भी बताया कि एक विभागीय जांच टीम का गठन किया गया है।यह टीम पुलिस की ओर से संभावित लापरवाही की जांच करेगी।उन्होंने आश्वासन दिया है कि दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जाएगी।

विश्व दिव्यांग दिवस पर मंत्री-विधायक ने बांटे सहायक उपकरण...स्वास्थ्य विभाग पर जमकर बरसे राकेश सचान

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। विश्व दिव्यांग दिवस के अवसर पर कानपुर देहात में दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण वितरण शिविर का आयोजन विकास भवन परिसर में किया गया। इस अवसर पर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री राकेश सचान, राज्यमंत्री प्रतिभा शुक्ला, और क्षेत्रीय विधायक पूनम संखवार समेत ज़िले के आला अधिकारी मौजूद रहे।

मंच से मंत्री राकेश सचान और राज्यमंत्री प्रतिभा शुक्ला ने कहा कि यूपी की बीजेपी सरकार दिव्यांगजन को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए लगातार कार्य कर रही है। सरकार न केवल सहायक उपकरण उपलब्ध करा रही है, बल्कि आवास योजनाओं का लाभ भी दिव्यांगजन तक प्राथमिकता से पहुँचाया जा रहा है।

नेताओं ने बताया कि हाल ही में हुई यूपी कैबिनेट बैठक में एक बड़ा प्रस्ताव पारित किया गया है, जिसके तहत सभी ज़िलों में दिव्यांगजन के लिए एक समर्पित कार्यालय स्थापित किया जाएगा। इस व्यवस्था से न केवल दिव्यांगजन को सुविधाएँ एक ही छत के नीचे मिल सकेंगी, बल्कि प्रत्येक जिले में 8 लोगों को रोजगार भी प्रदान किया जाएगा। तो वही कैबिनेट मंत्री राकेश सचान ने स्वास्थ्य विभाग पर गम्भीर आरोप लगाते हुए बताया कि दिव्यांगों के बनने वाले प्रमाणपत्रों में स्वास्थ्य विभाग फर्जीवाड़ा करता है दिव्यांग को सहूलियत के आधार पर बनने वाला प्रमाण पत्र में दिव्यांग परसेंटेज में भेदभाव किया जा रहा है कार्यक्रम में कई ऐसे दिव्यांग मिले जिनको मिलने वाली सुविधा का आभाव देखने को मिला जो कतई बर्दाश्त नही किया जाएगा।

कार्यक्रम के दौरान मंत्री और विधायक ने दिव्यांगजन को माला पहनाकर सम्मानित किया और व्हीलचेयर, ट्राइङ्कसायकिल, श्रवण यंत्र समेत विभिन्न सहायक उपकरण वितरित किए। उपकरण मिलने के बाद दिव्यांगजन के चेहरों पर खुशी साफ झलक रही थी।

जाम की समस्या देखते हुए प्रशासन ने चलाया हंटर

अतिक्रमण पर व्यापारियों को पुलिस ने दी चेतावनी,. दोबारा अगर गलती तो होगी कड़ी कार्रवाई

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। रसूलाबाद कस्बे में इन दिनों जाम की भयावह स्थिति रहती है। जिसको लेकर रसूलाबाद पुलिस प्रशासन ने सख्ती दिखाई और कई व्यापारियों को जमकर फटकार लगाने के साथ चेतावनी के बाद छोड़ दिया। सीओ सौरभ कुमार ने अपनी मौजूदगी में रसूलाबाद नगर में अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया।

जिसमें सडक़ों पर फैल रहे अतिक्रमण को रोकने के लिए पुलिस प्रशासन द्वारा प्रभावी कदम उठाये गए।

अभियान के अंतर्गत पुलिस ने एक दर्जन से अधिक अतिक्रमण कारियों को थाने में बुलाकर कड़ी चेतावनी दी और भविष्य में सडक़ पर अतिक्रमण से बचने का आदेश दिया। दोबारा गलती करने पर नियमानुसार कार्रवाई करने की बात कही। उन्होंने बताया कि सडक़ों पर अतिक्रमण के कारण यातायात बाधित होकर प्रभावित होता है साथ ही साथ पैदल चलने वाले यात्रियों को भी असुविधा का सामना करना पड़ता है।अतिक्रमणकारियों को कई बार चेतावनी देने के बाद भी वे नियमों का उल्लंघन करते नजर आ रहे हैं जिससे पुलिस को इस अभियान को पुन- प्रभावी रूप से संचालित करना पड़ रहा है। इस अभियान में प्रमुख रूप से वरिष्ठ उपनिरीक्षक राम सिंह, कस्बा प्रभारी प्रमोद दीक्षित, कीर्ति कुमार कनौजिया, राम किशोर आदि मौजूद रहे।

कैलाश नाथ यादव की मनमानी पर जिला प्रशासन हुआ सख्त

राहुल पांडेय /स्वराज इंडिया

कानपुर। सदर तहसील के पूर्व न्यायिक तहसीलदार कैलाश नाथ यादव एक बार फिर विवादों में हैं। करीब तीन सप्ताह पहले एसडीएम सदर अनुभव सिंह ने कोतवाली में अज्ञात के खिलाफ दर्ज कराए गए मुकदमे को लेकर उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया था, लेकिन अब तक न्यायिक तहसीलदार की ओर से कोई जवाब नहीं दिया गया है। नोटिस की अनदेखी से नाराज प्रशासन एक बार फिर नया नोटिस भेजने की तैयारी कर रहा है।

» एसडीएम सदर के नोटिस का नहीं दिया जवाब, घाटमपुर तबादले पर पहुंचे हाईकोर्ट—याचिका खारिज

» तबादला आदेश पर हाईकोर्ट पहुंचे थे

एसडीएम सदर अनुभव सिंह ने बताया कि वायरल वीडियो में संबंधित व्यक्ति का चेहरा साफ दिख रहा है, ऐसे में अज्ञात में मुकदमा दर्ज कराना संदिग्ध है। इसी बिंदु पर जवाब मांगते हुए नोटिस दिया गया था, लेकिन जवाब न आने पर कार्रवाई आगे बढ़ाई जा रही है।

करीब एक महीने पहले सदर तहसील में कैलाश नाथ यादव की कोर्ट का एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें एक छोटे से कमरे में रुपये के लेनदेन की तस्वीरें सामने आई थीं। इस वीडियो से प्रशासन की छवि को गहरा धक्का लगा। मामला सामने आते ही डीएम ने एडीएम न्यायिक को जांच सौंपी। जांच रिपोर्ट के आधार पर कैलाश नाथ यादव को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया।

डैमेज कंट्रोल के लिए न्यायिक तहसीलदार ने आनन-फानन में कोतवाली में अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करा दी, जिसमें उन्होंने लिखा कि कोर्ट में दो बाहरी लोग संदिग्ध तरीके से लेनदेन कर रहे थे और इससे कोर्ट की छवि धूमिल हुई।

अज्ञात में रिपोर्ट पर उठा सवाल

प्रशासन का कहना है कि वीडियो में चेहरा साफ दिख रहा है, ऐसे में अज्ञात में मुकदमा क्यों दर्ज किया गया—इसी पर सफाई मांगी गई है। परंतु नोटिस मिलने के बाद भी अब तक कोई जवाब नहीं दिया गया है।

लगातार विवादों के बाद डीएम जितेंद्र प्रताप सिंह ने तत्काल प्रभाव से कैलाश नाथ यादव का कार्यक्षेत्र बदलते हुए उन्हें घाटमपुर भेज दिया था। इस आदेश को उन्होंने हाईकोर्ट में चुनौती दी, यह कहते हुए कि उनका जबरन तबादला किया गया है। सूत्रों के अनुसार, हाईकोर्ट ने उनकी दलीलें सुनने के बाद याचिका को खारिज कर दिया। वहीं, वे दो अन्य मामलों में भी लखनऊ पीठ में याचिकाएं दाखिल कर चुके हैं।

अब तक नहीं किया ज्वाइन

घाटमपुर तबादला होने के बावजूद कैलाश नाथ यादव ने अब तक नए कार्यभार को ज्वाइन नहीं किया है। जानकारी अनुसार, उन्होंने मेडिकल लीव ले रखी है और उसी का सहारा लेकर पदस्थापना स्थल पर उपस्थित नहीं हो रहे हैं।प्रशासनिक हलकों में इस पूरे प्रकरण की चर्चा जोरों पर है और माना जा रहा है कि नोटिस का जवाब न देने पर आगे की कार्रवाई और सख्त हो सकती है।

अंडा कारोबारी से 3.30 करोड़ की ठगी का मामला

ताजमहल फिल्म के सह-निर्माता इरशाद आलम गिरफ्तार

» स्वराज इंडिया न्यूज

कानपुर। बेकनगंज पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अंडा कारोबारी से 3.30 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी करने और रंगदारी मांगने के आरोपी इरशाद आलम को गिरफ्तार कर लिया है। इरशाद आलम 2005 में रिलीज हुई फिल्म ताजमहल के सह-निर्माता हैं और टेनरी संचालक हैं।

बता दें बेकनगंज में अंडा कारोबारी ने 3.30 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी के आरोप में वर्ष 2005 में रिलीज फिल्म ताजमहल के सह-निर्माता एवं टेनरी संचालक इरशाद आलम समेत आठ लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी। धोखाधड़ी जमीन बेचने के नाम पर की गई थी। आरोप है कि रुपये वापस मांगने पर झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी देकर 60 लाख रुपये की रंगदारी भी मांगी गई थी।

सिविल लाइंस निवासी मो. शोएब ने पुलिस को बताया कि बेकनगंज नई सड़क पर उनका अंडे का थोक कारोबार है। उन्हें और उनके नई सड़क निवासी साथी फहद नसीम, उबैद नसीम को व्यापार में गोदाम और जमीन की आवश्यकता थी। इस पर रिक्की व रफी ने उनकी मुलाकात जाजमऊ गज्जूपुरवा हाल पता सिग्नेचर सिटी निवासी इरशाद आलम से कराई।

जमीन सरकार ने पहले ही अधिग्रहण कर रखी थी

इरशाद ने गज्जूपुरवा में जमीन दिखाते हुए 1.65 करोड़ रुपये में बेचने की बात कही। सौदा तय होने पर रुपये दे दिए। संपत्ति हस्तांतरित करने के बजाय जमीन की कीमत दोगुनी कर दी। आरोप है कि बड़ी रकम फंसी होने के कारण दोबारा 1.65 करोड़ रुपये दे दिए। इसके बाद भी बैनामा नहीं किया गया। जमीन के बारे में पता लगाने पर मालूम हुआ कि जमीन सरकार ने पहले ही अधिग्रहण कर रखी है।जब दिए हुए 3.30 करोड़ रुपये वापस मांगे, तो आरोपी अपने ने 13 सितंबर को साथी मो. उजैर व अन्य लोगों के साथ शॉप पर आकर झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी देते हुए 60 लाख रुपये की रंगदारी मांगी। पीड़ित ने मामले की शिकायत सयुंक्त पुलिस आयुक्त अपराध एवं मुख्यालय से की।

बेकनगंज इंस्पेक्टर मो. मतीन के अनुसार तहरीर के आधार पर तीन नामजद व छह अज्ञात के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच की जा रही है।

मुरी एक्सप्रेस की जनरल बोगी में धुआं, कूदकर भागे यात्री

अग्निशमन यंत्र स्वत: चल जाने से उठा धुआं, आग की खबर निकली अफवाह

» स्वराज इंडिया न्यूज

कानपुर। सेंट्रल स्टेशन पर हावड़ा से जम्मूतवी जा रही 18309 मुरी एक्सप्रेस के जनरल कोच में अचानक धुआं भर जाने से यात्रियों में हड़कंप मच गया। कोच में धुआं उठते ही लोग घबरा गए और अफरा-तफरी में कई यात्री ट्रेन से कूदकर प्लेटफॉर्म की ओर भागने लगे। सूचना मिलते ही रेलवे अधिकारी और कर्मचारी मौके पर पहुंचे और कोच की जांच की। अधिकारियों ने बताया कि धुआं आग लगने से नहीं, बल्कि कोच में लगे अग्निशमन यंत्र के अचानक सक्रिय हो जाने के कारण उठा था। यंत्र खराब होने से अचानक चल पड़ा और कुछ ही सेकंड में पूरा कोच धुएं से भर गया।

धुआं बढ़ते ही यात्रियों के बीच आग लगने की अफवाह फैल गई, जिससे भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। महिलाओं और बच्चों में सबसे ज्यादा डर देखा गया। कुछ यात्रियों ने चिल्लाते हुए दूसरों को कोच से बाहर निकलने के लिए कहा, जिससे हालात और ज्यादा तनावपूर्ण हो गए। रेलवे सूत्रों के अनुसार, घटना के बाद प्रभावित कोच खाली कराया गया और अग्निशमन यंत्र बदला गया। यात्रियों को सुरक्षित दूसरे कोचों में बैठाया गया। सभी कोचों की तलाशी लेकर रेलकर्मियों ने अन्य सुरक्षा उपकरण भी जांचे। सीपीआरओ आकाश के मुताबिक अग्निशमन यंत्र के खराब होने से धुआं फैला था। पूरी स्थिति सामान्य होने के बाद ट्रेन को आगे रवाना कर दिया गया।

उम्मीद पोर्टल नहीं उतर रहा लोगों की उम्मीदों पर खरा

वक्फ संपत्तियों का ब्योरा दाखिल करना मुश्किल, आधी रात तक भी नहीं खुला पोर्टल

» 5 दिसंबर की डेडलाइन पर छाए संकट के बादल

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर)। वक्फ संपत्तियों का ब्योरा दर्ज कराने के लिए बनाया गया उम्मीद पोर्टल इन दिनों पूरी तरह ठप है और हर तरीके से दगा दे रहा है। पिछले एक सप्ताह से पोर्टल की गति बेहद सुस्त है, कभी-कभार कुछ मिनटों के लिए खुलता है और फिर फ्रीज हो जाता है। 5 दिसंबर ब्यौरा अपलोड करने की अंतिम तिथि है, लेकिन मौजूदा हालात देखकर समय पर प्रविष्टियां पूरी होना लगभग असंभव माना जा रहा है। लोगों का कहना है कि आधी रात तक जागकर वेबपेज रीफ्रेश करते हैं फिर भी पोर्टल नॉट रिस्पॉन्डिंग दिखाता है।

दर्जनों मुतवल्ली, सचिव और ऑपरेटर पूरी-पूरी रात जागकर पोर्टल पर कोशिश कर रहे हैं, लेकिन पेज लोड ही नहीं हो रहा। कई लोगों का काम पेंडिंग में फँसा है। लगातार सबमिशन फेल हो रहा है और कभी भी सत्र समाप्त हो जाता है। ताहिर खान ने बताया कि वे कई रातों से सो नहीं पाए हैं। पोर्टल बहुत स्लो है, रात भर पहरा देते हैं लेकिन लॉगिन नहीं होता। मंगलवार की पूरी रात जागकर रखी, सुबह करीब पाँच बजे जाकर थोड़ी रफ्तार पकड़ी।काम में अड़चन बढ़ने पर कानपुर से दो विशेषज्ञों को भी बुलाया गया, लेकिन वे भी पोर्टल की खराब स्थिति के आगे असहाय दिखे।

जून में लॉन्च होते ही शुरू हो गई थीं पोर्टल में दिक्कतें

उम्मीद पोर्टल 6 जून 2025 को लॉन्च हुआ था, लोग बताते हैं शुरुआत से ही इसमें संरचनात्मक बदलाव, अधूरे मॉड्यूल, बार-बार फ्रीज़, सर्वर ओवरलोड और मॉड्यूल की खराबी जैसी समस्याएँ बनी रहीं। अचानक सत्र समाप्त होना और सबमिशन असफल होने की दिक्कतों ने पोर्टल को लगभग बेकार बना दिया।

पांच दिसम्बर नजदीक है, जबकि पोर्टल की हालत ऐसी है कि दर्जनों संपत्तियों का डेटा अपलोड होना बाकी है। मुतवल्लियों को डर है कि तकनीकी खराबी के कारण कई वक्फ संपत्तियां पंजीकरण से वंचित हो सकती हैं। तकनीकी समस्या दूर न होने तक पोर्टल पर काम सुचारू होने की उम्मीद भी कम दिखाई दे रही है। लोगो ने डेट लाइन बढ़ाने को लेकर कई जगह शिकायत की है लेकिन कोई समाधान नहीं दिख रहा है।

देवकली में युवक की संदिग्ध मौत, झाड़ियों में मिला रक्तरंजित शव

टक्कर या कुछ और? पुलिस ने फोरेंसिक टीम से कराई जांच

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर)। चौबेपुर थाना क्षेत्र स्थित देवकली गांव में मंगलवार सुबह एक युवक का खून से लथपथ शव मिलने से हड़कंप मच गया। सड़क किनारे झाड़ियों के पास युवक की बाइक गिरी मिली और कुछ ही दूरी पर उसका शव मिला। घटना की सूचना पर पहुंचे ग्रामीणों ने तुरंत पुलिस को खबर दी।

देवकली निवासी 35 वर्षीय हिमांशु कटियार सोमवार देर रात खेतों की निगरानी के लिए बाइक से निकले थे। रातभर घर न लौटने पर परिवार चिंतित रहा, लेकिन कुछ पता नहीं चला। सुबह ग्रामीणों ने सड़क किनारे बाइक और पास ही हिमांशु का निर्विकार पड़ा शरीर देखा तो पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। घटना की खबर परिवार तक पहुंची तो पत्नी पूजा और ढाई साल की बेटी का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। मौके पर पहुंचे लोगों ने अंदेशा जताया कि किसी अज्ञात वाहन की टक्कर में हिमांशु की जान गई होगी। हालांकि परिजनों का कहना है कि हालात सामान्य टक्कर जैसे नहीं लग रहे, इसलिए पूरी सच्चाई सामने आनी चाहिए। ग्रामीणों ने भी घटना को संदिग्ध बताते हुए पुलिस से गहन जांच कराने की मांग की।

फोरेंसिक टीम ने खंगाले साक्ष्य

सूचना पाकर थाना प्रभारी आशीष कुमार चौबे टीम के साथ मौके पर पहुंचे। परिजनों के संदेह को देखते हुए उन्होंने तत्काल फोरेंसिक यूनिट को बुलाया। टीम ने घटनास्थल पर खून के धब्बे, बाइक की स्थिति, घास-फूस में दबे निशानों और आसपास के क्षेत्र का सूक्ष्म निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए।

पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के बाद साफ होगी तस्वीर

थाना प्रभारी ने बताया कि शुरुआती जांच में मामला सड़क दुर्घटना जैसा प्रतीत हो रहा है, लेकिन फोरेंसिक जांच और पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी। परिजनों की ओर से अभी किसी पर आरोप नहीं लगाया गया है। देवकली गांव में पूरे दिन घटना को लेकर चर्चा रही। लोग सवाल उठा रहे हैं कि आखिर रात में खेतों की ओर गए युवक के साथ सच में हादसा हुआ या किसी और वजह से यह अनहोनी घटी। पुलिस सभी बिंदुओं पर जांच कर रही है।

एसआईआर अभियान में तेजी, सपा नेता ने किया गांव-गांव सत्यापन

जैतपुर पहुंचे विनय यादव ने सूची सुधार कार्यों की समीक्षा की

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर/कानपुर। समाजवादी पार्टी के बिल्हौर विधानसभा अध्यक्ष विनय यादव ने मंगलवार को शिवराजपुर ब्लॉक के अंतर्गत आने वाले जैतपुर सहित कई गांवों में पहुंचकर एसआईआर (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने टीम के साथ घर-घर जाकर 2003 की मतदाता सूची में दर्ज विवरण का सत्यापन किया और मतदाताओं से एस आई आर फार्म जमा करने की मौजूदा स्थिति की जानकारी ली।

निरीक्षण के दौरान विनय यादव ने ग्रामीणों को जागरूक करते हुए कहा कि एसआईआर प्रक्रिया महज़ तकनीकी अनुपालन नहीं, बल्कि मताधिकार की सुरक्षा का प्रमुख माध्यम है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि मतदाता सूची में नाम सही न होने पर चुनाव के समय मतदाता स्वयं समस्याओं का सामना करेंगे।

सपा नेता ने पार्टी कार्यकर्ताओं को निर्देश देते हुए पीडीए (पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यक) समुदाय के मतदाताओं की विशेष सहायता सुनिश्चित करने को कहा। इस दौरान सपा नेता ने सत्तारूढ़ भाजपा पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि एसआईआर प्रक्रिया के बहाने पीडीए समाज के मतदाताओं को कमजोर करने की कोशिश की जा रही है।

उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी ऐसी किसी भी कोशिश को सफल नहीं होने देगी। इस दौरान दौरान जैतपुर गांव के प्रधान पिंटू यादव, वीरेंद्र सिंह यादव, रामलखन यादव, नीलू यादव, पारुल यादव, अर्पित यादव, नागेंद्र सिंह यादव, धीरू यादव और रोहित यादव सहित स्थानीय निवासी मौजूद रहे।

सम्पादकीय

एसआईआर के सवाल

रेगिस्तान के बीचों-बीच बसा जैसलमेर डेजर्ट पैलेस रिसॉर्ट एंड कैंप सुंदरता, ऐशो-आराम और परंपरा का बेजोड़ नमूना है। राजस्थान की पुरानी विरासत को ध्यान में रखकर यहां पर यह शानदार रिसॉर्ट बनाया गया। जोकि उन कपल को काफी ज्यादा पसंद आता है, जो डेस्टिनेशन वेडिंग करना चाहते हैं। रेगिस्तान के बीचों-बीच बसा जैसलमेर डेजर्ट पैलेस रिसॉर्ट एंड कैंप सुंदरता, ऐशो-आराम और परंपरा का बेजोड़ नमूना है। राजस्थान की पुरानी विरासत को ध्यान में रखकर यहां पर यह शानदार रिसॉर्ट बनाया गया। जोकि उन कपल को काफी ज्यादा पसंद आता है, जो डेस्टिनेशन वेडिंग करना चाहते हैं। राजस्थानी बनावट आधुनिक सुविधाओं से लैस यह जगह एक यादगार एक्सपीरियंस देती है। अगर आप भी ड्रीम वेडिंग करना चाहते हैं, तो यह वेन्यू आपके बहुत काम आ सकता है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको जैसलमेर डेजर्ट पैलेस रिसॉर्ट की बुकिंग, खर्च और बेस्ट वेन्यू आदि के बारे में बताने जा रहे हैं। मिलेगा ज्यादा स्पेस बता दें कि इस रिसॉर्ट के बड़े आंगन, खूबसूरत बगीचे, शांत माहौल, सुनहरी रेत के टीले और तारों भरी रात इस जगह को एकदम परफेक्ट बनाते हैं। यह सिर्फ एक वेडिंग वेन्यू नहीं बल्कि एक ऐसा अनुभव है, जोकि राजस्थान की शान को भी दिखाने का काम करता है। यहां पर शादी करना मेहमानों को हमेशा याद रहने वाली यादें देता है। सलमेर डेजर्ट पैलेस रिसॉर्ट में कई ऐसी जगहें हैं, जिनका इस्तेमाल शादी के अलग-अलग कार्यक्रमों के लिए किया जाता है। बैंक्वेट हॉल सुंदर इनडोर बैंक्वेट हॉल रस्मों या छोटे रिसेप्शन के लिए बेहद शानदार साबित हो सकता है। इसमें 300 मेहमान आ सकते हैं। लॉन और आंगन हरे-भरे गार्डन कॉकटेल पार्टी या मेहंदी के लिए बेहतरीन है। इसमें करीब 500 मेहमान आ सकते हैं।

पूलसाइड एरिया बता दें कि पूल के किनारे का एरिया संगीत या अन्य प्री वेडिंग इवेंट्स के लिए रोमांटिक माहौल देता है। इस एरिया में 200 मेहमान आराम से आ सकते हैं। डेजर्ट कैंप रेत के टीलों के बीच बना यह कैंप आपको पारंपरिक राजस्थानी संस्कृति का अनुभव देता है।। आपको हर कमरे में राजस्थानी संस्कृति और आधुनिक सुविधाओं से लैस डिजाइन देखने को मिलेगा। जिससे कि मेहमानों को शाही महसूस हो सके। आपको यहां पर 5,000 से 8,000 पर नाइट पे करना होता है। लेकिन वेडिंग सीजन के हिसाब से यह पैसे चेंज हो सकते हैं। 150 मेहमानों वाली दो दिन की शादी के लिए करीब 15 से 25 लाख तक खर्च हो सकता है।वहीं रिसॉर्ट की अपनी कैटरिंग टीम है, जो हर तरह की लजीज और बेहतरीन खाना तैयार करती है।

खाने के मेनू में भारतीय, राजस्थानी और अंतर्राष्ट्रीय व्यंजन शामिल होते हैं। शादी की योजना और सजावट के लिए यह रिसॉर्ट पूरी सुविधा देता है। जो कपल की पसंद से हो। फंक्शन के पैमाने के आधार पर 5 लाख से 15 लाख तक खर्च आ सकता है। इसमें राजस्थानी लोक प्रदर्शन, डीजे और लाइव म्यूजिक शामिल है। इसका खर्च 3 से 8 लाख के बीच हो सकता है।

राजस्थान की पुरानी विरासत को ध्यान में रखकर यहां पर यह शानदार रिसॉर्ट बनाया गया।

राह दिखाती सांप्रदायिक सौहार्द की एक उजली किरण

निखिल खत्री

हम किस धर्म में विश्वास करने वाले परिवार में जन्म लेते हैं इसमें हमारा कुछ योगदान नहीं है, यह एक संयोग मात्र है। लेकिन इस संयोग को सार्थक बनाने का दायित्व हमारा है। एक अच्छा हिंदू, अच्छा मुसलमान, या अच्छा...हम किस धर्म में विश्वास करने वाले परिवार में जन्म लेते हैं इसमें हमारा कुछ योगदान नहीं है, यह एक संयोग मात्र है। लेकिन इस संयोग को सार्थक बनाने का दायित्व हमारा है। एक अच्छा हिंदू, अच्छा मुसलमान, या अच्छा ईसाई बनना अवश्य हमारे हाथ में है। यह अच्छाई इस बात पर निर्भर करती है कि हम कितने अच्छे मनुष्य हैं। उसका नाम अरफाज अहमद डैंग है। शायद ही सुना होगा आपने यह नाम। उसने ऐसा कोई कारनामा भी नहीं किया है कि यह नाम सुर्खियों में आता।

असल में अरफाज जम्मू का एक युवा पत्रकार है, जिसकी एक पहचान यह भी है कि वह अपने निजी चैनल से बड़ी हिम्मत के साथ सच्चाई को उजागर करने का दावा करने वाला पत्रकार है। कुछ दिन पहले उसने एक समाचार प्रसारित किया था, जो कुछ ताकतवरों को नागवार गुजरा और 'उसे सबक सिखाने के लिए' उसका चालीस साल पुराना मकान बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया गया। प्रशासन का कहना है कि यह मकान अनधिकृत निर्माण था, इसलिए उचित नोटिस देकर इसे गिरा दिया गया। चालीस साल से अपने माता-पिता के साथ वहां रहने वाले अरफाज ने इस कार्रवाई को गैर-कानूनी और तानाशाही गतिविधि करार दिया है।इस घटना की हकीकत तो जांच के बाद ही सामने आयेगी, पर यह एक सच्चाई तो है ही कि पिछले एक लंबे अर्से से देश में 'बुलडोजरी न्याय' की प्रक्रिया जारी है। इस आशय के उदाहरण भी सामने आ रहे हैं जो इस प्रक्रिया को एक सीमा तक अनुचित ठहराते हैं। यहां मैं जो मुद्दा उठा रहा हूं वह 'अनधिकृत निर्माण' और 'बुलडोजरी न्याय' से कुछ अलग है। मुद्दा यह है कि अरफाज के एक पड़ोसी ने अरफाज के सिर को छत से वंचित करने की इस कार्रवाई को 'अत्याचार' कहा है। पर बात यहीं नहीं रुकती। इसके आगे जो हुआ वह बहुत कुछ कह रहा है और इसे 'सुना' जाना चाहिए।

इस घटना का जो वीडियो वायरल हो रहा है वह एक मुसलमान के हिंदू पड़ोसी की मानवतावादी सोच को उजागर करता है। इस हिंदू पड़ोसी का नाम है कुलदीप शर्मा। अरफाज के पिता की उम्र के इस हिंदू पड़ोसी ने दोनों परिवारों के चालीस साल साथ रहने की दुहाई देते हुए कहा है कि वे अरफाज और उसके परिवार को किसी भी कीमत पर उजड़ने नहीं देंगे। बुलडोजर ने अरफाज का तीन महले का घर तोड़ा है, कुलदीप शर्मा ने अरफाज के परिवार को पांच मरला ज़मीन उपहार में देकर उस पर मकान बनवाने का आश्वासन भी दिया है। घटना के वायरल हुए वीडियो में कुलदीप शर्मा को आंसू बहाते हुए यह कहते दिखाया गया है कि वे 'भीख मांगकर भी' अपने पड़ोसी मुस्लिम परिवार को नया मकान दिलाएंगे।

हिंदू-मुस्लिम भाईचारे का यह शानदार उदाहरण ज़रूर है, पर अकेला उदाहरण नहीं है। ऐसे ढेरों उदाहरण देखे जा चुके हैं जो हमारे देश की गंगा-यमुनी सभ्यता को उजागर करते हैं। अक्सर ऐसे उदाहरणों को नज़रंदाज कर दिया जाता है, पर इन्हें याद रखा जाना ज़रूरी है। जिस तरह का आपसी वैमनस्य फैलाने वाला माहौल देश में पनप रहा है, उसमें अरफाज और कुलदीप शर्मा से जुड़ी यह घटना भरोसा देने वाली है। शर्मा जी ने जो जमीन अपने मुसलमान पड़ोसी को उपहार में दी है, उसके कागज़ात उन्होंने अपनी किशोरी पुत्री के हाथों 'अपने अरफाज भाई' को दिलवाये हैं। इस अवसर पर पुत्री का यह कहना कि मैं 'खुशकिस्मत हूं कि मुझे ऐसे मां-बाप मिले हैं' किसी भी सच्चे भारतीय का सिर गर्व से ऊंचा उठा देगा।

अदूरदर्शी नीतियों से उपजा प्रदूषण संकट, जिम्मेदार कौन?

उद्योग व वाहनों की भूमिका

गुलेरी निरजा

दिल्ली में प्रदूषण नियंत्रण के लिए बेहतर है कि सरकार कोरे प्रचार और प्रशासनिक लीपापोती छोड़कर व्यावहारिक समाधान अपनाए। इसके लिए सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों के मुताबिक, प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों-वाहनों को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र से बाहर स्थानांतरित करने हेतु कड़े नियम लागू करने होंगे। वर्तमान में दिल्ली की जनसंख्या लगभग 3.46 करोड़ और जनसंख्या घनत्व लगभग 27,000 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर है। आजादी के बाद, अदूरदर्शी सरकारी तंत्र ने दिल्ली को औद्योगिक नगरी बना दिया, जिसके परिणामस्वरूप यह दुनिया भर में सबसे ज्यादा प्रदूषित राजधानी बन गई।

वर्ष 1901 में दिल्ली की जनसंख्या 4 लाख थी, जो 1947 में केवल 7 लाख हुई, लेकिन अगले 4 वर्षों में ही दुगनी से अधिक होकर 17 लाख हो गई। वर्ष 1951 की जनगणना के अनुसार, दिल्ली की कुल जनसंख्या 17,44,072 में से 10,26,762 लोग दिल्ली के बाहर पैदा हुए थे। सरकार ने शरणार्थियों को बसाने और उनके पुनर्वास व रोजगार आदि देने के लिए मुफ्त और रियायती दरों पर मकान, दुकान, उद्योग, बिजली, सस्ते ऋण आदि जैसी सुविधाएं प्रदान की। उद्योग और वाणिज्य क्षेत्र को दी गई भारी रियायतों और बेहतर रोजगार सुविधाओं की बदौलत, आजादी के बाद दिल्ली में प्रवासी जनसंख्या प्रत्येक दशक में लगभग दुगनी होती गई।

अगस्त, 2025 में लगभग 73 लाख यानी 21 प्रतिशत दिल्लीवासी राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन में मुफ्त

राशन ले रहे हैं, जो राजधानी की गरीबी की पोल खोल रहे हैं। कई हजार अवैध गंदी बस्तियों, झुग्गी-झोपड़ी कॉलोनियों का जमावड़ा, भीड़-भाड़ वाली टूटी-फूटी धूल से भरी सड़कें, प्रदूषित वायु और यमुना का प्रदूषित पानी, अब दिल्ली की पहचान बन गए हैं। दिल्ली में 1950 तक, केवल 8 हजार छोटे-बड़े उद्योग थे, जो 2021-22 में बढ़कर 8.75 लाख और वर्ष 2025 में एक मिलियन से ज्यादा हो गए। इनमें 40 लाख से ज्यादा लोग कार्यरत हैं, जो दिल्ली में कर्मचारियों की कुल संख्या का लगभग 30 प्रतिशत हैं। फरवरी, 2025 के आंकड़ों के अनुसार दिल्ली में लगभग 39 लाख पेट्रोल-डीजल चलित और 57 लाख इलेक्ट्रिक वाहन हैं। जबकि दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में 3.3 करोड़ पेट्रोल-डीजल से चलने वाले वाहन हैं। दिल्ली के दोषपूर्ण शहरीकरण नियोजन मॉडल को अपनाकर पड़ोसी राज्यों ने भी 90 किलोमीटर घेरे में 50 से ज्यादा औद्योगिक नगर बसाकर, दिल्ली में प्रदूषण को कई गुणा बढ़ाया है। प्रेस सूचना ब्यूरो द्वारा 31 दिसंबर, 2024 को दिए आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली का वार्षिक औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक कोविड वर्ष 2020 को छोड़कर कई दशकों से खराब श्रेणी में रहा है। जहां मानसून वर्षा के 3 महीनों (जुलाई-सितंबर) को छोड़कर पूरे वर्ष एक्यूआई 200 से ज्यादा रहता है, और अक्तूबर महीने में मानसून वापसी पर वायु गति कम होने से एक्यूआई 300 के पार चला जाता है, और सर्दी के 4 महीनों नवम्बर-फरवरी में हिमालय से आने वाली ठंडी हवाओं से तापमान गिरने के कारण, प्रदूषण के कणों का घनत्व वायुमंडलीय निचली सतह पर बढ़ जाने से वायु प्रदूषण बहुत गंभीर होकर जीवों की जान को खतरा बन जाता है।आईपीसीसी द्वारा किए गए अध्ययन के अनुसार, दिल्ली में कुल वायु प्रदूषण में अकेले वाहनों से होने वाले उत्सर्जन का योगदान लगभग 72 प्रतिशत है, जबकि उद्योग, सड़कों और निर्माण गतिविधियों से उत्सर्जन होने वाला धुआं-धूल और दूषित जल आदि दूसरे मुख्य कारक हैं।वैज्ञानिक तथ्यों के विपरीत, कई दशकों से सरकारी तंत्र दिल्ली में वायु प्रदूषण के लिए किसान और धान पराली को खलनायक के रूप में प्रचारित करके, वायु प्रदूषण के असली गुनहगार वाहन-उद्योग को बचा रहा है।

पीडब्ल्यूडी में हुआ साइबर अटैक 4 करोड़ का डिजिटल डाटा गायब

» ई-टेंडरिंग प्रक्रिया में दस्तावेज डिलीट, 40 लाख फीस कटी, फर्म स्वत: बाहर हुई

» वरद इंटरप्राइजेज ने लखनऊ पीडब्ल्यूडी मुख्यालय व डीसीपी ईस्ट को दी शिकायत

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। उत्तर प्रदेश में पहली बार ई-टेंडरिंग प्रक्रिया पर साइबर अटैक का गंभीर मामला सामने आया है। वरद इंटरप्राइजेज के प्रोपराइटर दुर्गेश सिंह चौहान का आरोप है कि पीडब्ल्यूडी के करीब 4 रुपये करोड़ के टेंडर में भाग लेने के दौरान प्रहरी एप से उनके सभी दस्तावेज अचानक गायब हो गए। जिसके चलते उनकी फर्म बोली प्रक्रिया से बाहर हो गई। फर्म के प्रोपाइटर दुर्गेश ने बताया कि 28 नवंबर को घाटमपुर (कानपुर नगर), भोगनीपुर, सिकंदरा और रसूलाबाद क्षेत्रों के लिए जारी टेंडर में उनकी कंपनी ने छह टेंडरों के लिए आवेदन किया था। लगभग 40 रुपये लाख की फीस भी ऑनलाइन कट गई, लेकिन अंतिम चरण में जैसे ही बोली आगे बढ़ी, एप से सभी अपलोड दस्तावेज गायब हो गए। इसके बाद उन्होंने पीडब्ल्यूडी मुख्यालय और डीसीपी ईस्ट कार्यालय में शिकायत देकर साइबर हमले की आशंका जताई।

ऐसा मामला पहली बार सामने आया

पीडब्ल्यूडी मुख्यालय ने इस घटना को अत्यंत गंभीर मानते हुए जांच शुरू कर दी है। अधीक्षण अभियंता प्रवीन कुमार बांगड़ी ने स्वीकार किया कि यूपी में ई-टेंडरिंग में ऐसा मामला पहली बार सामने आया है और तकनीकी रूप से सुरक्षित प्रणाली से दस्तावेजों का यूं गायब होना सामान्य नहीं है। मुख्यालय की आईटी सेल के प्रभारी अधीक्षण अभियंता चंद्रशेखर मामले की गहराई से जांच कर रहे हैं यह पता लगाने के लिए कि यह तकनीकी त्रुटि थी या किसी साइबर हैकिंग का प्रयास। उधर, दुर्गेश चौहान ने मांग की है कि जब तक जांच पूरी नहीं हो जाती, संबंधित टेंडरों की प्रक्रिया रोकी जाए, ताकि किसी भी तरह की अनियमितता को बढ़ावा न मिले। मेनव्हील, डीसीपी ईस्ट ने कहा कि शिकायत पत्र प्राप्त होने पर साइबर सेल द्वारा उचित कार्रवाई की जाएगी।

चकेरी: छोटे बेटे की पिटाई से मौत पिता और भाई ने मुंह मोड़ा

मां के सामने पुलिस ने कराया अंतिम संस्कार

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। चकेरी में 75 वर्षीय भीख मांगने वाली वृद्धा के छोटे बेटे की पिटाई के बाद इलाज न मिलने से मौत हो गई। पति और बड़े बेटे ने आने से इनकार कर दिया, जिसके बाद एक सिपाही ने अपने खर्चे पर अंतिम संस्कार कराया।

फटे आंचल, कांपते हाथ और धंसी आंखों वाली 75 वर्षीय मां माधुरी छोटे बेटे भारत कुमार चौधरी (27) की पिटाई से मौत के बाद टूट गई। चकेरी थानाक्षेत्र के टटियन झनाका में भीख मांगकर गुजारा करने वाली मां के पास न मोबाइल और न ही कोई रिश्तेदार। पुलिस के अनुसार जब वृद्धा के पति और बड़े बेटे को फोन पर जानकारी दी, तो उन लोगों ने आने से इन्कार कर दिया।

सिपाही ने अपने खर्चे पर अंतिम संस्कार कराया। मूलरूप से बिहार के दरभंगा के नेहरा गांव के रहने वाली माधुरी के अनुसार इसी साल मई में टटियन झनाका बस्ती में

छोटे बेटे भारत के साथ रहने आई थी। पति संतोष कुमार बिहार में रहते हैं, वहीं बड़ा बेटा रोहित मथुरा में प्राइवेट नौकरी करता है।

उन्होंने बताया कि भारत मजदूरी करता था और शराब का आदी था। वह भीख मांगकर दो वक्त की रोटी खाती हैं। बूढ़ी मां का आरोप है कि रविवार रात करीब 11.30 बजे भारत बाहर से आया और दरवाजा पीटने लगा। आवाज सुनकर पड़ोस में रहने वाला युवक कमरे से निकला और उससे गालीगलौज करने लगा।

अस्पताल नहीं ले जा सकी

विरोध करने पर बेटे को खींचकर लाठी-डंडे से जमकर पीटा। आरोप है कि भारत को मरणासन्न कर सड़क पर फेंककर भाग निकले। पीड़ित मां के अनुसार लाचार होने के कारण वह बेटे की कोई मदद नहीं कर सकी। फिर भी किसी तरह बेटे को लेकर घर पहुंची। सोमवार सुबह जेब में मात्र 100 रुपये होने के कारण वह उसे अस्पताल नहीं ले जा सकी।

बिसरा सुरक्षित किया गया

आरोप है कि उसने सब से मदद मांगी, लेकिन किसी ने साथ नहीं दिया। शाम करीब सात बजे उसकी घर पर मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने बस्ती के पांच लोगों से पंचनामा की कार्रवाई पूरी की। चकेरी कार्यवाहक थाना प्रभारी मो रिजवान के अनुसार पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में मौत का कारण स्पष्ट न होने से बिसरा सुरक्षित किया गया है। फिर भी आरोपों की जांच की जा रही है।

युवक का रस्सी से बंधा शव बोरी में भरकर प्लॉट में फेंका

बर्रा में बर्बरता से हुई हत्या

» अभी तक शिनाख्त नहीं, फॉरेंसिक और सीसीटीवी की मदद से पुलिस लगा रही सुराग

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। बर्रा-8 क्षेत्र में पांडु नदी पुल के पास एक खाली प्लॉट में एक युवक का शव बोरी से ढका मिला। शव की अवस्था देखकर साफ प्रतीत होता है कि युवक की हत्या बेहद निर्ममता से की गई थी।

मृतक के दोनों हाथ पीछे की ओर रस्सी से कसकर बंधे थे, जबकि चेहरे को बोरी से ढककर ऊपर भारी पत्थर रखा गया था। बोरी हटाने पर सिर के पीछे गंभीर चोट और खून बहने के निशान मिले। घटना की जानकारी मिलते ही गुजैनी पुलिस एवं फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की।

प्रारम्भिक फॉरेंसिक जांच में आशंका जताई गई कि युवक को पहले भारी वस्तु से वार कर अचेत किया गया, फिर गला दबाकर हत्या की गई। इसके बाद शव को बोरी से ढककर रात में खाली प्लॉट में फेंका गया। घटनास्थल पर टायरों के ताज़ा निशान मिले हैं, साथ ही कुछ दूरी पर मृतक का एक जूता पड़ा था, जिससे यह अंदेशा और गहरा गया कि आरोपी कार से शव लाकर फेंककर फरार हुए।

घटना की जानकारी मिलते ही गुजैनी पुलिस एवं फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। बाद में डीसीपी साउथ दीपेंद्र नाथ चौधरी और एडीसीपी योगेश कुमार भी मौके पर पहुंचे। पुलिस के अनुसार अभी शव की पहचान नहीं हो सकी है। आसपास के सभी सीसीटीवी कैमरे खंगाले जा रहे हैं। जल्द ही मामले का खुलासा किया जाएगा।

इंस्टाग्राम पर रील डालने के बाद सिपाही फांसी के फंदे पर झूला

» कल्याणपुर में किराए के कमरे में यूपी-112 के सिपाही का शव फंदे से लटका मिला

» तनाव, घरेलू कलह और सोशल मीडिया पोस्ट जांच में मिले कई अहम सुराग

» प्रमुख संवाददाता / स्वराज इंडिया

कानपुर। डायल 112 में तैनात 30 वर्षीय सिपाही मान महेंद्र सिंह ने मंगलवार दोपहर कल्याणपुर के आईआईटी सोसाइटी स्थित माधवपुरम के किराए के मकान में फांसी लगाकर जान दे दी। शव कमरे में पंखे से लटका मिला। इससे कुछ ही घंटे पहले उन्होंने अपनी इंस्टाग्राम आईडी पर दो रील अपलोड की थीं, जिनमें वह जिंदगी से टूटने की दर्दभरी बातें कह रहे थे। सिपाही का यह अंतिम सोशल मीडिया एक्टिविटी अब पुलिस जांच का प्रमुख हिस्सा बन गया है।

घटना की जानकारी तब हुई जब उसी मकान में रहने वाले दारोगा हितेंद्र कुमार हेलमेट लेने सिपाही के कमरे पहुंचे। कई बार आवाज लगाने के बाद भी कोई प्रतिक्रिया न मिलने पर उन्होंने खिड़की का शीशा तोड़कर अंदर देखा तो मान महेंद्र का शव फंदे से लटका मिला। सूचना पर एडीसीपी अर्चना सिंह, एसीपी कल्याणपुर रंजीत कुमार सहित पुलिस फोर्स और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। दरवाजा तोड़कर शव नीचे उतारा गया और मोबाइल कब्जे में लेकर जांच शुरू हुई।

फोरेंसिक टीम की जांच में पाया गया कि सिपाही ने सोमवार देर रात इंस्टाग्राम पर दो रील डाली थीं। पहली रील में वह कह रहा था जब भी मरूंगा हंसते हुए मरूंगा, क्योंकि जीते जी रोया बहुत हूं।

दूसरी रील में उसने कहा रुतबा तो मरने के बाद भी रहेगा, लोग पैदल चलेंगे और हम कंधे पर इन दोनों वीडियो ने सुसाइड की तरफ उसके मानसिक हालात को संकेतित किया। मान महेंद्र मूलरूप से मथुरा के गोवर्धन थाना क्षेत्र के रहने वाले थे। पत्नी कविता, बेटा तेजस और छोटा बच्चा मथुरा में रहते हैं। पत्नी ने बताया कि उनकी शादी को 10 साल हो चुके थे और पति कई बार मारपीट भी कर चुके थे।

इसके अलावा सिपाही पर कुछ रुपये उधार थे, जिसे लेकर वह बीते दिनों तनाव में चल रहे थे। इसी घरेलू कलह के चलते पत्नी 26 नवंबर को बच्चों को लेकर मायके मथुरा चली गई थीं। 27 नवंबर को पति ने बच्चों से आखिरी बार बात की थी। इसके बाद फोन उठाना भी बंद कर दिया।परिवार को घटना की पूरी जानकारी दे दी गई है।

फिलहाल पुलिस इसे प्राथमिक रूप से आत्महत्या का मामला मानकर जांच आगे बढ़ा रही है। डीसीपी पश्चिम दिनेश त्रिपाठी के अनुसार,परिवार के आने के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बीएलए टू और बूथ कमेटी फार्म पहुंचाने में बीएलओ की मदद करें क्षेत्रीय अध्यक्ष ने दिए निर्देश

» प्रमुख संवाददाता / स्वराज इंडिया

कानपुर। भाजपा क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल एवं दक्षिण जिलाध्यक्ष शिवराम सिंह ने छावनी विधानसभा के श्याम नगर मंडल में केंद्रीय विद्यालय, रक्षा विहार शक्तिकेंद्र पहुंच कर एसआईआर अभियान की प्रगति रिपोर्ट की जानकारी ली। भाजपाइयों ने घर घर जाकर लोगों से गणना प्रपत्र जमा कराए। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान (एसआईआर) अभियान के तहत कार्यकर्ताओं को बूथ स्तर तक अपनी सक्रियता बढ़ाने और घर-घर संपर्क कर एक एक मतदाता का नाम मतदाता सूची में जुड़वाने के निर्देश दिए। मंगलवार को प्रकाश पाल एवं शिवराम सिंह ने श्याम नगर के वार्ड नंबर 74 श्याम नगर के केंद्रीय विद्यालय, रक्षा विहार मतदान केंद्र के बूथ संख्या 147,148, 149,150,151 और 152 में घर घर संपर्क किया।

उन्होंने लोगों से संपर्क कर गणना प्रपत्र भरने में आने वाले परेशानियों के बारे में जानकारी ली। बीएलओ द्वारा कुछ घरों का पता न मिलने के कारण मतदाता फार्म न पहुंचा पाने की विवशता बताई तो क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल ने बीएलए टू, बूथ प्रवासी और बूथ कमेटी के सदस्यों को लोगों का पता बताने में बीएलओ का सहयोग करने के निर्देश दिए।

क्षेत्रीय अध्यक्ष ने मंडल अध्यक्ष, बूथ अध्यक्ष, बूथ कमेटी एवं बूथ प्रवासी से घर घर कुंडी खटखटा कर लोगों से एसआईआर फार्म भरवाकर शीघ्र जमा करवाने को कहा।

घुसपैठियों पर शिकंजा: 16 बस्तियों से 1000 संदिग्ध चिन्हित

» झारखंड-बंगाल की फर्जी आईडी मिली, जवाब न मिलने पर टीम भेजने की तैयारी

» योगी सरकार के निर्देश पर जिलों में अस्थायी डिटेंशन सेंटर बनाने की प्रक्रिया तेज

» प्रमुख संवाददाता / स्वराज इंडिया

कानपुर। देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए खतरा बन चुके बांग्लादेश व म्यांमार से आए घुसपैठियों के खिलाफ अभियान और तेज हो गया है। शहर में चल रही अब तक की सबसे बड़ी जांच में 16 बस्तियों से एक हजार से ज्यादा संदिग्ध घुसपैठिए चिन्हित हुए हैं। इन सभी के पास झारखंड, बंगाल व असम की पहचान पत्र मिले, लेकिन शारीरिक बनावट और बोली से प्रशासन को गंभीर संदेह हुआ है। अब उनके दस्तावेज संबंधित राज्यों के जिलाधिकारियों को भेजकर सत्यापित कराए जा रहे हैं।

दिल्ली धमाके के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के सभी जिलों को घुसपैठियों की धरपकड़ के लिए सख्त निर्देश दिए थे। इसके साथ ही हर जिले में अस्थायी डिटेंशन सेंटर बनाने का आदेश भी जारी हुआ है, ताकि चिन्हित घुसपैठियों को वहीं रखकर उन्हें उनके देश वापस भेजने की कार्यवाही की जा सके। इसी क्रम में शहर में भी अभियान तेज किया गया।अधिकारियों ने बताया कि फिलहाल खुफिया विभाग और पुलिस टीमें बस्तियों और आसपास के क्षेत्रों में लगातार जांच कर रही हैं। जिन लोगों के दस्तावेज संबंधित राज्यों में सत्यापित नहीं होंगे, उनके खिलाफ सीधे कानूनी कार्रवाई की जाएगी। टीम आवश्यकता पडने पर उन राज्यों में जाकर भी फील्ड जांच करने के लिए तैयार है।हाल ही में बड़ा चौराहा क्षेत्र से कोतवाली पुलिस ने म्यांमार के साइडुय मंगडो शहर के रहने वाले रोहिंग्या मोहम्मद साहिल को गिरफ्तार किया था। वह 2017 से शुक्लागंज के शक्तिनगर में परिवार के साथ रह रहा था और उसके सभी दस्तावेज पूर्व सभासद की मदद से गलत तरीके से बनाए गए थे। बाद में पुलिस ने उसके परिवार को भी जेल भेज दिया। इसके अलावा पुलिस लाइन के पास संदिग्ध रूप से रह रहे 20 परिवारों की भी जांच कराई गई। इनमें से कोई भी रोहिंग्या तो नहीं पाया गया, लेकिन सभी लोग अवैध रूप से रह रहे थे। अधिकारियों ने नगर निगम को पत्र भेजकर इन परिवारों को क्षेत्र से हटाने की प्रक्रिया शुरू करने को कहा है। शहर में चल रहा यह अभियान अब निर्णायक मोड़ पर है, और प्रशासन साफ संकेत दे चुका है कि फर्जी पहचान पर रह रहे किसी भी घुसपैठिए को बख्शा नहीं जाएगा।

15 साल तक की देश की हिफाजत अब रिटायर हो कर घर लौटे

» रिटायर्ड फौजी संदीप सिंह चौहान का हुआ वापसी पर भव्य स्वागत

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। विकासखंड सरवन खेड़ा की ग्राम सभा मनेथु के लाल संदीप सिंह चौहान भारतीय सेना वर्ष 2010 मे इलेक्ट्रॉनिक्स एंड मैकेनिकल इंजीनियर्स कोर सेना मे भर्ती हुए, उन्होंने सफलता पूर्वक भारतीय सेना में सेवा के अपने 15 वर्ष पूर्ण किये और 1 दिसम्बर 2025 को हवलदार के पद से सिकंदराबाद से सेवानिवृत होकर कल सुबह 8 बजे अपने गांव के निकट रेलवे स्टेशन ट्रेन से पामा पहुंचे ,जहां पर स्वागत के लिए तमाम क्षेत्रवासी मौजूद रहे। सभी लोगों ने रिटायर्ड फौजी संदीप सिंह का स्वागत किया उसके बाद दुल्हन की तरह सजी हुई जीप में बैठकर अपने पैतृक गांव मनेथू पहुंचे।

अपर्णा तेजस, समाजसेवी

आकाश सिंह

कुलदीप सिंह-संदीप जी के बड़े भाई)

संदीप भारतीय सेना के द्वारा चलाए गए ऑपरेशन फाल्कन में एवं हाल ही मे ऑपरेशन सिन्दूर का भी हिस्सा रहे थे, उन्होंने बात चीत मे बताया की देश की सेवा करना वास्तव मे गर्व की अनुभूति देता है , आने वाले समय मे अपने क्षेत्र मे सेना की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए काम करेंगे जो उन्होंने भारतीय सेना मे रहकर सीखा है। संदीप सिंह की पत्नी दीपिका सिंह उत्तर प्रदेश पुलिस में सिपाही के पद पर कानपुर नगर जिले में तैनात रह कर अपनी सेवाएं दे रहीं है। रिटायर्ड फौजी का स्वागत करने वालों में रामसजीवन सिंह चौहान, जीतेश सिंह चौहान, सूरज सिंह सेंगर, दारा सिंह ,हर्षित अवस्थीप, शंकर यादव,जीतेन्द्र सिंह, अश्वनी सिंह, सनी सिंह, कुलदीप सिंह आशीष सिंह, विकास सिंह, सूरज सिंह अभिषेक सिंह हीरू सिंह, विकास सिंह चंदेल, आकाश सिंह जीतेन्द्र तिवारी, सौरभ भदौरिया, रणधीर सिंह चौहान एवं जिला पंचायत कठेठी से उम्मीदवार अपर्णा तेजस आदि मौजूद रहे। संदीप के बड़े भाई कुलदीप सिंह ने कहाकि हम सबको बहुत अच्छा लग रहा है और मेरा सर गर्व से सर ऊंचा हो गया है। सभी लोगों को जरूर इसी तरह मेहनत करनी चाहिए और अपने देश की सेवा में जरूर सहयोग करना चाहिए। वहीं समाजसेवी अपर्णा तेजस ने कहा हमारे क्षेत्र के रिटायर्ड फौजी संदीप सिंह के 15 वर्षों के सेना के अनुभवों का लाभ क्षेत्र के युवाओं को मिलेगा और इस क्षेत्र से और अधिक युवा सेना में जा कर देशसेवा करने के लिए प्रेरित होंगे। क्षेत्र के युवा आकाश सिंह ने कहाकि संदीप भैया हमारे प्रेरणास्रोत है हम भी भविष्य में भारतीय सेना में भर्ती होकर देश का मान बढ़ाएंगे।

एसआईआर: आधार आधारित जन्मतिथि को कतई न स्वीकार किया जाए

» जिलाधिकारी कपिल सिंह ने आयोग के निर्देशों का सख्ती से पालन का दिया आदेश

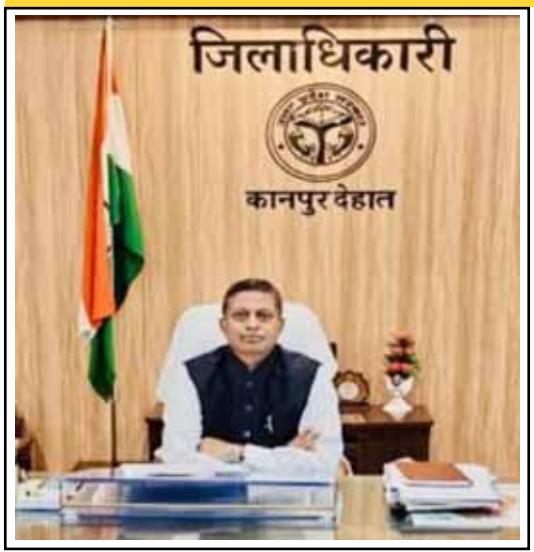

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण- 2026 कार्यवाही के दौरान जन्मतिथि सम्बन्धी अभिलेखों की शुद्धता एवं सत्यता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी नवीन दिशा-निर्देशों के मुताबिक जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी कपिल सिंह ने जनपद के समस्त ईआरओ, एईआरओ एवं पंजीयन अधिकारियों को आवश्यक अनुपालन हेतु निर्देशित किया है।जिलाधिकारी ने विशेष सचिव उत्तर प्रदेश शासन के द्वारा निर्गत निर्देशों के दृष्टिगत स्पष्ट किया कि आधार कार्ड को जन्मतिथि के प्रमाण के रूप में मान्य नहीं किया जाएगा। अतः निर्वाचक नामावली से संबंधित विभिन्न प्रपत्रों में जन्मतिथि प्रमाण हेतु केवल वही वैध दस्तावेज स्वीकार किए जाएँगे जो आयोग द्वारा निर्धारित सूची में सम्मिलित हैं। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि जनपद में पुनरीक्षण कार्य से संबंधित प्रत्येक ईआरओ यह सुनिश्चित करें कि कोई भी दावा-आपत्ति या प्रविष्टि संशोधन केवल वैध दस्तावेजों के आधार पर ही संपादित किया जाए।उन्होंने कहा कि निर्वाचन कार्य अत्यंत संवेदनशील एवं शुचिता से जुड़ा हुआ है, इसलिए जन्मतिथि संबंधी अभिलेखों की त्रुटिरहित पुष्टि अनिवार्य रूप से की जाए तथा जहाँ भी आवश्यक हो, संबंधित दावेदारों को स्पष्ट रूप से अवगत कराया जाए कि आधार कार्ड जन्मतिथि के प्रमाण के रूप में स्वीकार नहीं है। जलाधिकारी ने यह भी निर्देश दिया कि उप जिलाधिकारी, तहसीलदार एवं सभी पंजीयन अधिकारी इस दिशा में विशेष सतर्कता बरतें और यह सुनिश्चित करें कि अप्रमाणित, संदिग्ध अथवा आधार आधारित जन्मतिथि को किसी भी स्तर पर स्वीकार न किया जाए। उन्होंने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग की मंशा के अनुरूप मतदाता सूची को शुद्ध, अद्यतन एवं त्रुटिरहित बनाए रखना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है, जिसके लिए सभी अधिकारियों को समयबद्ध एवं नियमानुकूल अनुपालन सुनिश्चित करना होगा

गोसाई बाबा मंदिर में भागवत कथा समापन के बाद भंडारा

सेंगुर नदी के तट पर किनारे बना है मंदिर, आस्था का प्रतीक

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। भोगनीपुर तहसील के मलासा गांव में सिंगुर नदी किनारे स्थित गोसाई बाबा मंदिर परिसर में ग्राम वासियों के सहयोग से सात दिवसीय शिव महापुराण कथा का विशाल भंडारे के साथ समापन हो गया। गोसाई बाबा मंदिर परिसर में समस्त ग्रामवासी कार्यकर्ता के रूप विशाल भंडारे के आयोजन में भरपूर सहयोग प्रदान किया।

कार्यक्रम के मुख्य आयोजक चित्रकूट धाम से पधारे 1008 श्रीपागल दास महाराज जी के द्वारा संपन्न कराया गया है। अंतिम दिन वैदिक विधि विधान से हवन पूजन कर सुबह से कन्या भोज एवं भंडारे की शुरुआत की गई भंडारा सुबह से लगातार शाम सात बजे तक भारी संख्या में भक्तों ने उपस्थित होकर प्रसाद ग्रहण किया। वही गांव के युवा समाजसेवी रवि सिंह ने गोसाई बाबा मंदिर पहुंचकर माथा टेका और आशीर्वाद लिया।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। संपादक: अनूप कुमार RNI No.: UPHIN/2023/86769 | Email: swarajindia2023@gmail.com | Mob: 7800009853, | Website: www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

माघ मेला 2026: करोड़ों श्रद्धालुओं के स्वागत की शुरू हो गई बड़ी तैयारी

» 2 दिसंबर से गंगा पूजा के साथ भूमि आवंटन की शुरुआत की गई

» रेलवे- परिवहन की संयुक्त मेगा प्लानिंग, भीड़ संभालने को कड़े प्रबंध

» मुख्य संवाददाता/स्वराज इंडिया

प्रयागराज। माघ मेला 2026 की तैयारियां अब रफ्तार पकड़ चुकी हैं। मेला प्राधिकरण ने इस बार भूमि आवंटन का पूरा कार्यक्रम तय कर दिया है। 2 दिसंबर को परंपरागत गंगा पूजा के साथ पूरी प्रक्रिया शुरू हो गई। दंडीनगर और डंडी बड़ा के संतों को 2 से 4 दिसंबर के बीच भूमि दी जाएगी, जबकि आचार्य नगर के समूहों को 5 और 6 दिसंबर को आवंटन किया जाएगा। इसके बाद 7 से 9 दिसंबर के बीच खडक़चौक के संतों को भूमि सौंपी जाएगी। इस बार धार्मिक संस्थाओं को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि आवंटन होते ही सुविधाओं की मांग न करें, क्योंकि सुविधा स्लिप आवंटन के दो दिन बाद ही जारी होगी। एडीएम दयानंद प्रसाद ने बताया कि अन्य संस्थाओं के लिए तिथियां बाद में घोषित की जाएंगी।

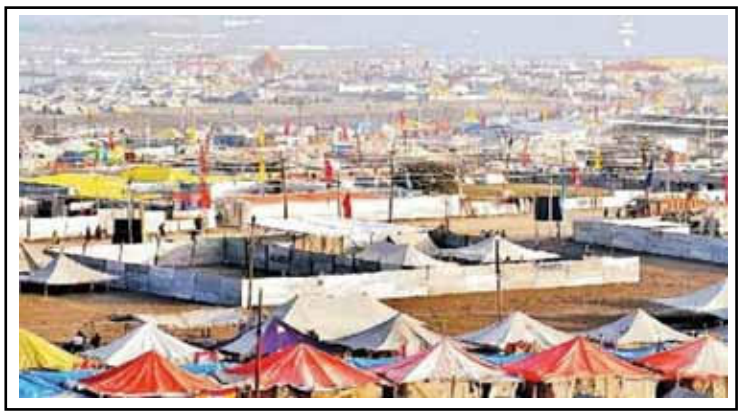

स्टेशनों पर थीम आधारित सजावट

भारतीय रेलवे ने इस बार महाकुंभ मॉडल को आधार बनाते हुए मेले में आने वाले यात्रियों के स्वागत के लिए बड़े स्तर पर थीम आधारित सजावट की योजना बनाई है। सुबेदारगंज से विंध्याचल तक के सभी प्रमुख स्टेशनों को एक समान मेला थीम में सजाया जाएगा, जिससे श्रद्धालुओं को स्टेशन पर उतरते ही मेला-परिसर जैसा अनुभव हो सके। रेलवे ने इसके लिए 38.44 लाख रुपये का बजट तय किया है। स्टेशन के प्रवेश द्वार, कॉनकोर्स, वेटिंग रूम, टिकट काउंटर और आसपास के खुले क्षेत्रों में पोस्टर, ग्लो-साइन और रेट्रो-रिफ्लेक्टिव बोर्ड लगाए जाएंगे। यह पहली बार है जब माघ मेला के लिए इतने बड़े पैमाने पर ब्रांडिंग की जा रही है।

डिफाल्टर संस्थाओं पर रोक, न भूमि मिलेगी न सुविधा

पिछले कुम्भ और माघ मेलों में आवंटित सुविधाएं वापस न करने वाली संस्थाओं के खिलाफ इस बार कड़ी कार्रवाई की जा रही है। इन्हें डिफाल्टर की श्रेणी में रखते हुए भूमि आवंटन और सुविधा दोनों से वंचित कर दिया गया है। एसडीएम विवेक शुक्ला ने स्पष्ट किया कि कोई भी संस्था तभी पात्र मानी जाएगी जब वह आधार नंबर और अद्यतन फोटो सहित अपनी पहचान प्रस्तुत करेगी। प्रशासन की इस बार कोशिश है कि भूमि आवंटन प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी रहे और नियमों का सख्ती से पालन हो।

स्नान पर्वों पर प्लेटफॉर्म टिकट बंद

यात्रियों की भारी भीड़ को नियंत्रित करने के लिए रेलवे ने भी व्यापक रणनीति तैयार की है। मुख्य स्नान पर्वों पर प्लेटफॉर्म टिकट की बिक्री बंद रहेगी और स्टेशन परिसर में केवल आरक्षित या सामान्य टिकट वाले यात्रियों को ही प्रवेश दिया जाएगा। रेलवे का मानना है कि इससे अनावश्यक भीड़ स्टेशन पर नहीं जुटेगी और यात्रियों की आवाजाही अधिक सुरक्षित और सुगम हो सकेगी। भीड़ नियंत्रण के लिए यह मॉडल पहले भी कारगर साबित हुआ है और इस बार इसे और सख्त तरीके से लागू किया जाएगा।

बिजली, सड़क और संकेतक बोर्डों पर फोकस

डीएम मनीष कुमार वर्मा ने सभी विभागों को निर्देश दिया है कि शहर भर की खराब स्ट्रीट लाइटों को एक सप्ताह के भीतर ठीक कर दिया जाए, ताकि मेले के दौरान किसी श्रद्धालु को अंधेरे का सामना न करना पड़े। उन्होंने यह भी आदेश दिया कि 15 दिसंबर से 15 फरवरी तक बिजली आपूर्ति में कोई कटौती न की जाए। एयरपोर्ट रोड की बिजली लाइन को ग्रामीण फीडर से हटाकर शहरी फीडर से जोडऩे का निर्देश भी जारी किया गया है, जिससे बिजली आपूर्ति अधिक स्थिर रहेगी। साथ ही हंडिया से कानपुर मार्ग तक सभी प्रमुख सडक़ों पर संकेतक बोर्ड बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि बाहरी जिलों से आने वाले श्रद्धालुओं को मार्गदर्शन आसानी से मिले।

3800 बसें तैनात, 275 शटल बसें खास स्नान दिनों पर

परिवहन विभाग ने इस बार यात्रियों की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए अब तक की सबसे बड़ी बस योजना लागू की है। मेले के दौरान कुल 3800 बसें तैनात रहेंगी, मुख्य स्नान पर्वों पर चलाई जाएंगी। जिला प्रशासन ने बताया कि 200 बसें जिले के भीतर और अंतर-जिला रूट्स पर लचीली तैनाती के लिए रखी गई हैं। इसका उद्देश्य यह है कि जिस क्षेत्र में भीड़ बढ़ती दिखे, वहां तुरंत अतिरिक्त बसों को भेजा जा सके। यह पहली बार है जब माघ मेला में इतनी बड़ी संख्या में शटल सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

मंदिर और आबादी के बीच बनाए जा रहे अंत्येष्टि स्थल पर ग्रामीण गुस्साए

» डीएम को पत्र सौंपकर अंत्येष्टि स्थल को आबादी से दूर स्थानांतरित करने की मांग

» मुख्य संवाददाता/स्वराज इंडिया

कानपुर देहात के बनीपारा गांव में प्राचीन बालेश्वर महादेव मंदिर और आबादी के बीच बनाए जा रहे प्रस्तावित अंत्येष्टि स्थल को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। सैकड़ों ग्रामीण जिला मुख्यालय पहुंचकर ग्राम प्रधान की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए इस निर्माण का जोरदार विरोध किया। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी को एक शिकायती पत्र सौंपकर मांग की कि अंत्येष्टि स्थल को आबादी से दूर स्थानांतरित किया जाए।मामले में प्रार्थी रामचंद्र, बब्बन' शर्मा और जिला पंचायत सदस्य

बउआ त्रिवेदी सहित सैकड़ों ग्रामीणों का कहना है कि मंदिर के पास अंत्येष्टि स्थल बनने से न केवल पूजा-अर्चना बल्कि विद्यालय की पढ़ाई और मंदिर परिसर में लगने वाला पारंपरिक मेला भी प्रभावित होगा। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि उपजिलाधिकारी डेरापुर ने उनकी आपत्ति सुने बिना बाउंड्री निर्माण शुरू करा दिया, जिसे ग्रामीणों ने विरोध स्वरूप गिरा दिया, जिसके बाद उनके खिलाफ रूरा थाने में मुकदमा दर्ज हुआ। ग्रामीणों ने घोषणा की कि वे अपनी निजी जमीन सरकार के नाम रजिस्ट्री कराकर अंत्येष्टि स्थल के लिए वैकल्पिक स्थान देने को भी तैयार हैं। उधर, बनीपारा ग्राम प्रधान चंद्रभान भी अपने समर्थकों के साथ जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे। उनका कहना है कि विवादित जमीन बेहद कीमती है, इसी कारण ग्रामीण बेवजह निर्माण में बाधा पैदा कर रहे हैं। ग्राम प्रधान ने कहा कि यदि जिलाधिकारी स्थानांतरण का आदेश देते हैं, तो वे भी प्रशासनिक निर्णय पर सहमति जताने को तैयार हैं।

ओवरलोड ट्रैक्टरों से पेयजल पाइपलाइन क्षतिग्रस्त और सीसी रोड टूटा

» मुख्य संवाददाता/स्वराज इंडिया

बांदा। मवई बुजुर्ग गांव में ओवरलोड ट्रैक्टरों का धमाचौकड़ी जारी है। ये ट्रैक्टर चोरी की मोरम बालू लेकर गांव की बस्तियों से फर्राटे भरते हुए गुजर रहे हैं, जिससे पेयजल की पाइपलाइन क्षतिग्रस्त हो गई है और सीसी रोड भी टूट गया है। सूत्रों के अनुसार, ये ट्रैक्टर रात में और सुबह पथरी गांव की तरफ से चोरी की बालू लेकर आते-जाते हैं। जिम्मेदार अधिकारियों की अनदेखी के कारण ये अवैध गतिविधियां जोरों पर हैं। मवई बुजुर्ग गांव में ओवरलोड ट्रैक्टरों की आवाजाही से ग्रामीण परेशान हैं। ये ट्रैक्टर न केवल पेयजल पाइपलाइन को नुकसान पहुंचा रहे हैं, बल्कि सीसी रोड को भी टूटने का कारण बन रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि जिम्मेदार अधिकारी इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं। अब देखने वाली बात यह होगी कि इन अवैध बालू ले जा रहे ट्रैक्टरों के ऊपर क्या कार्रवाई होती है। क्या जिम्मेदार अधिकारी इन अवैध गतिविधियों को रोकेंगे।

पुतिन का दौरा देगा भारत-रूस रिश्तों में नई ऊर्जा !

» डॉलर-निर्भरता कम करने की दिशा में बड़ा कदम उठा सकते हैं

दुनियां में चल रही गुटबाजी के बीच भारतीय वैश्विक कूटनीति को नया मोड़ मिलेगा

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

नई दिल्ली। वैश्विक राजनीति के बदलते दौर में भारत-रूस संबंध एक बार फिर निर्णायक मोड़ पर पहुँचते दिख रहे हैं। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन का भारत दौरा न केवल दोनों देशों की दशकों पुरानी साझेदारी को और गहरा करेगा, बल्कि अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत की स्वतंत्र और आत्मविश्वासी विदेश नीति को भी सशक्त संदेश देगा।

भारत और रूस के बीच रक्षा सहयोग हमेशा से दोनों देशों की दोस्ती का सबसे मजबूत स्तंभ रहा है। अब आगामी शिखर बैठक में पाँच अतिरिक्त एस-400 मिसाइल रक्षा स्क्वाड्रन की संभावित खरीद पर गंभीर चर्चा होने की संभावना है। यह भारत की वायु-रक्षा क्षमता को अभूतपूर्व मजबूती देगा।

सूत्रों के अनुसार उन्नत लड़ाकू विमान सु-57 के संयुक्त निर्माण अथवा तकनीकी सहयोग पर भी बातचीत हो सकती है। यदि यह समझौता आगे बढ़ता है तो यह भारत की आत्मनिर्भर रक्षा क्षमता के लिए ऐतिहासिक कदम होगा। पश्चिमी दबावों के बावजूद भारत द्वारा रूसी उपकरणों पर भरोसा बनाए रखना यह स्पष्ट करता है कि राष्ट्रहित सर्वोपरि है।

स्वराज इंडिया विशेष

भारत और रूस के बीच व्यापार का बड़ा हिस्सा अब रुपये-रूबल में होने लगा है। दोनों देश अपने घरेलू भुगतान तंत्र को जोड़ने—रुपे और मीर कार्ड के एकीकरण की दिशा में भी तेजी से आगे बढ़ रहे हैं।

यह कदम न केवल दोनों अर्थव्यवस्थाओं को मजबूती देगा बल्कि वैश्विक वित्तीय प्रणाली में डॉलर के प्रभुत्व को चुनौती देने वाला होगा। पश्चिमी प्रतिबंधों से सुरक्षित वैकल्पिक व्यवस्था तैयार करना एक बड़ी रणनीतिक उपलब्धि मानी जा रही है।

स्वतंत्र विदेश नीति का सशक्त संदेश

पुतिन का यह दौरा दुनिया को यह बताने के लिए पर्याप्त है कि भारत किसी दबाव में नहीं चलता। चाहे रक्षा सौदे हों, ऊर्जा सुरक्षा हो या आर्थिक साझेदारी भारत अपने हितों, अपनी प्राथमिकताओं और अपनी शर्तों पर निर्णय लेता है।

यह यात्रा दोनों देशों के बीच भरोसे, रणनीतिक साझेदारी और दीर्घकालिक सहयोग को मजबूत करेगी। भारत-रूस संबंध एक बार फिर सिद्ध कर रहे हैं कि अंतरराष्ट्रीय राजनीति में स्थायी मित्रता और परस्पर सम्मान आज भी संभव हैं और दोनों देश इसी मार्ग पर आगे बढ़ रहे हैं।

ऊर्जा और कूटनीति का संतुलन बनाने की होगी कोशिश

भारत द्वारा रूसी ऊर्जा आयात जारी रखना यह दर्शाता है कि भारत अपने नागरिकों को सस्ती ऊर्जा उपलब्ध कराने और राष्ट्रीय ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने को लेकर अडिग है। यह निर्णय पश्चिमी देशों की अपेक्षाओं से स्वतंत्र भारत के स्पष्ट रुख को दर्शाता है।

उन्नाव में एसआईआर अभियान में बड़ा फर्जीवाड़ा उजागर

» एक मकान पर मिले सिर्फ 3 लोग, मतदाता सूची में दर्ज थे 45 नाम

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

उन्नाव। विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (स्क्रुत्र) अभियान के तहत उन्नाव में मतदाता सूची की जांच के दौरान बड़ा फर्जीवाड़ा सामने आया है. सदर क्षेत्र के पूरन नगर में मकान नंबर 57 की जांच में चौंकाने वाला खुलासा हुआ. मतदाता सूची में 45 नाम दर्ज, लेकिन मौके पर मिले सिर्फ 3 लोग. बूथ लेवल अधिकारी राजीव कुमार जब सत्यापन के लिए घर पहुंचे, तो वहां केवल तीन ही निवासी मौजूद पाए गए. सूची में दर्ज शेष 42 नामों के बारे में न मकान मालिक कुछ बता सका, न ही पड़ोसियों ने उन्हें कभी देखा या पहचाना.

बीएलओ द्वारा पूछताछ किए जाने पर मकान मालिक ने स्पष्ट कहा कि सूची में दर्ज दर्जनों नामों में से अधिकांश व्यक्ति कौन हैं, उन्हें इसका कोई अंदाजा नहीं. पड़ोसियों ने भी इसकी पुष्टि की कि इस मकान में कभी इतने लोग रहे ही नहीं. स्थानीय लोगों का कहना है कि इतने बड़े पैमाने पर फर्जी नाम दर्ज होना मतदाता सूची की विश्वसनीयता पर गंभीर प्रश्नचिह्न है.

ADM बोले- बहुत गंभीर मामला, त्वरित जांच जारी

अपर जिलाधिकारी (ADM) सुशील कुमार ने बताया कि यह अत्यंत गंभीर अनियमितता है और इसकी जांच तेज की गई है. सभी संदिग्ध प्रविष्टियों की सूची तैयार की जा रही है. विस्तृत रिपोर्ट निर्वाचन आयोग को भेजी जा रही है. ऐसे हर पते की गहन छानबीन होगी. ADM ने यह भी बताया कि एसआईआर अभियान के दौरान ऐसे कई और संदिग्ध मामले सामने आ रहे हैं, जो मतदाता सूची में बड़े स्तर पर 'फर्जी प्रविष्टियों' की मौजूदगी की ओर इशारा करते हैं.

क्षेत्र में चर्चा तेज, एक घर में 45 नाम कैसे?

पूरन नगर में इस खुलासे ने लोगों को हैरान कर दिया है. ग्रामीणों का कहना है कि बिना किसी की जानकारी के एक ही पते पर 42 अज्ञात लोगों के नाम दर्ज होना गहरी गड़बड़ी का संकेत है. प्रशासन ने निर्देश दिया है कि ऐसे सभी संदिग्ध पतों की पूरी जांच, पुनः सत्यापन और आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाए, ताकि मतदाता सूची पूरी तरह शुद्ध और पारदर्शी बन सके. यह फर्जीवाड़ा सिर्फ गिनती का खेल नहीं, बल्कि चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता पर सीधा प्रहार है.

यूपी सरकार ने 2026 के छुट्टियों का कैलेंडर किया जारी

» 24 सार्वजनिक अवकाश, 31 निर्बंधित अवकाश; कई मौकों पर लगातार छुट्टियों का लाभ

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ। योगी सरकार ने वर्ष 2026 के सरकारी छुट्टियों का कैलेंडर जारी कर दिया है। इस बार कैलेंडर में वर्ष 2025 की तुलना में कोई बदलाव नहीं किया गया है। पूरे वर्ष में 24 दिन सार्वजनिक अवकाश और 31 दिन निर्बंधित (ऐच्छिक) अवकाश निर्धारित किए गए हैं। इसके साथ ही एक अप्रैल को राज्यभर के वाणिज्यिक बैंक वार्षिक लेखाबंदी के चलते बंद रहेंगे।

सामान्य प्रशासन विभाग के प्रमुख सचिव मनीष चौहान द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार कार्यकारी आदेशों के अंतर्गत पांच जनवरी को घोषित गुरु गोविंद सिंह जयंती को विलोपित करते हुए इसे संशोधित तिथि 27 दिसंबर 2025 पर स्थानांतरित किया गया है। यह अवकाश निर्बंधित अवकाश की श्रेणी में रहेगा।

कैलेंडर के अनुसार सरकारी कर्मचारियों को वर्ष 2026 में कई अवसरों पर लगातार छुट्टियों का लाभ मिलेगा। 3 जनवरी को हजरत अली जन्म दिवस का अवकाश रहेगा, जबकि 4 जनवरी को रविवार होने से दो दिन का अवकाश एक साथ मिलेगा। 25 जनवरी रविवार तथा 26 जनवरी सोमवार होने से गणतंत्र दिवस पर कर्मचारियों को लगातार दो दिन की छुट्टी मिलेगी। 1 मार्च रविवार, 2 मार्च होलिका दहन (सोमवार) तथा 4 मार्च होली (बुधवार) के कारण बीच का दिन 3 मार्च अवकाश लेकर कर्मचारी चार दिन तक बाहर घूमने-फिरने की योजना बना सकेंगे। 8 नवंबर रविवार को दीपावली, 9 नवंबर सोमवार को गोवर्धन पूजा तथा 11 नवंबर भैयादूज व चित्रगुप्त जयंती के अवकाश तय किए गए हैं। कर्मचारी 10 नवंबर मंगलवार की छुट्टी लेकर फिर चार दिन के अवकाश का लाभ उठा सकेंगे।

सरकारी कैलेंडर में गुरु गोविंद सिंह जयंती (3 जनवरी) और गुरु तेग बहादुर शहीदी दिवस (24 नवंबर) को कार्यकारी आदेशों के अधीन अवकाशों में शामिल किया गया है। इन दोनों तिथियों के लिए अलग से आदेश निर्गत किए जाएंगे।

प्रदेश सरकार के नए कैलेंडर से कर्मचारियों को वर्ष भर में कई महत्वपूर्ण अवसरों पर आराम और यात्रा के अतिरिक्त अवसर उपलब्ध होंगे।

बिसुही नदी में मिला अधेड़ का क्षत-विक्षत शव, हत्या की आशंका

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। थाना हैदरगंज क्षेत्र के न्यूना पूरब गांव में उस समय सनसनी फैल गई जब बिसुही नदी में एक 55 वर्षीय अज्ञात अधेड़ का शव उतरता मिला। मृतक के चेहरे पर धारदार हथियार से कई वार किए गए हैं, जिससे चेहरा बुरी तरह क्षत-विक्षत हो चुका है। प्रारंभिक अनुमान यह भी है कि हत्या कहीं और की गई और शव को साक्ष्य मिटाने के लिए नदी में फेंक दिया गया। सुबह नदी किनारे से गुजर रहे एक राहगीर की नजर जब शव पर पड़ी तो उसने तत्काल पुलिस को सूचना दी। कुछ ही देर में थाना हैदरगंज प्रभारी निरीक्षक विवेक राय, थाना तारुन प्रभारी संदीप त्रिपाठी, बीकापुर व मिल्कीपुर के सीओ अजय कुमार, फॉरेंसिक टीम और भारी पुलिस बल मौके पर पहुंच गया। पुलिस ने शव को बाहर निकलवाकर जांच शुरू कर दी है।

टिकट के लिए क्षत्रिय त्रिकोणीय टक्कर से भाजपा नेतृत्व को होगी मुश्किल

अयोध्या में 2027 की जंग

» भाजपा में टिकट के लिए कई लोग बना रहे अपनी रणनीति

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या।2027 के विधानसभा चुनाव भले अभी दूर हों, लेकिन अयोध्या की सियासत में उबाल अभी से दिखने लगा है। भाजपा के भीतर तीन बड़े चेहरे पूर्व सांसद लल्लू सिंह, बीकापुर विधायक डॉ. अमित सिंह चौहान, और पूर्व सपा विधायक अब भाजपा के करीब पहुंच चुके अभय सिंह टिकट के लिए पाटीदार डटकर खड़े हैं। तीनों प्रभावी, तीनों सजातीय (क्षत्रिय), और तीनों अपने-अपने क्षेत्रों में मजबूत पकड़ वाले। पार्टी हाईकमान के सामने आगे सवाल होगा कि इनमें से किसे विधानसभा का टिकट दें।

डॉ0 अमित सिंह चौहान विधायक बीकापुर

लल्लू सिंह पूर्व सांसद

अभय सिंह विधायक गोसाईगंज

भाजपा के पांच बार विधायक, दो बार सांसद और पूर्व मंत्री रहे लल्लू सिंह संगठन की निष्ठा का चेहरा माने जाते हैं। विद्यार्थी परिषद से निकले इस पुराने भाजपा चेहरे को पार्टी बदलने वालों की भीड़ के बीच आज भी 'अपना' माना जाता है। हालांकि 2024 की लोकसभा हार ने उनके राजनीतिक ग्राफ को झटका दिया है। अयोध्या सीट पर मौजूदा विधायक वेद प्रकाश गुप्त दूसरी बार जीते हैं और उनकी छवि गैर-विवादित है। साथ ही पुत्र अमल गुप्त का सक्रिय राजनीति में बढ़ता कद भी चर्चा में है। बीकापुर की राजनीति में चौहान परिवार का प्रभाव गहरा है। पूर्व मंत्री मुन्ना सिंह चौहान की राजनीतिक विरासत को पहले पत्नी शोभा सिंह ने आगे बढ़ाया, और फिर 2022 में भाजपा ने उनके पुत्र डॉ. अमित सिंह चौहान को मैदान में उतारा वे जीते भी। बीकापुर सीट पर उनकी दावेदारी इस बार भी स्वाभाविक मानी जा रही है। लेकिन क्षत्रिय समीकरण की जद्दोजहद के बीच पार्टी उन्हें दोबारा मौका देगी या नहीं।

गोसाईगंज सीट से दो बार सपा विधायक रहे अभय सिंह पिछले कुछ समय से भाजपा की नजदीकी में हैं। उनकी क्षेत्रीय पकड़, संगठन क्षमता और मौजूदा विधायक होने का लाभ उन्हें भाजपा के भीतर भी दावेदारों की कतार में सबसे आगे खड़ा करता है। गोसाईगंज सीट पर उन्हें नजरअंदाज करना आसान नहीं।

अयोध्या जिले में कुल पांच विधानसभा सीटें हैं मिल्कीपुर (एससी आरक्षित)रुदौली (मौजूदा विधायक रामचंद्र यादव लगातार तीसरी बार विजयी)मिल्कीपुर पहले ही समीकरण से बाहर है। रुदौली में यादव नेतृत्व है, इसलिए उसे छेडने की संभावना कम है।अब बचीं सिर्फ तीन सीटें— अयोध्या, गोसाईगंज और बीकापुर। इन तीन सीटों पर तीन क्षत्रिय दावेदार लल्लू सिंह, डॉ. अमित सिंह और अभय सिंह।

पार्टी क्या तीनों सीटों पर एक ही बिरादरी के प्रत्याशी उतारने का जोखिम लेगी?या फिर सामाजिक समीकरण साधने के लिए किसी बड़े चेहरे को काटना पड़ेगा? तीनों नेताओं के समर्थक टिकट की दावेदारी को लेकर लगातार ताल ठोक रहे हैं। जिले की राजनीति में यह सवाल एक पहेली बन गया है। क्या भाजपा क्षत्रिय त्रिकोण को संतुलित कर पाएगी?

रामपथ पर मोबाइल चलाते गोल्फकार्ट ड्राइवर की वीडियो वायरल

अब जनता पूछ रही, अयोध्या पुलिस एक्शन करेंगी या नहीं?

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या।रामनगरी के प्रतिष्ठित रामपथ पर गोल्फकार्ट ड्राइवर का मोबाइल चलाते हुए फर्राटे भरने का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। धार्मिक नगरी में बढ़ती भीड़ और वीआईपी मूवमेंट के बीच ऐसी लापरवाही ने आम लोगों की चिंता बढ़ा दी है। वीडियो में साफ दिख रहा है कि ड्राइवर एक हाथ से गोल्फकार्ट चलाते हुए दूसरे हाथ से मोबाइल फोन में मशगूल है। स्वराज इंडिया वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता है।चारपहिया वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का इस्तेमाल भारत के मोटर वाहन अधिनियम, 1988 के तहत दंडनीय अपराध है। धारा 184 के अनुसार यह लापरवाह व खतरनाक ड्राइविंग की श्रेणी में आता है, जिसमें पहली बार अपराध पर 1,000 से 5,000 रुपए तक जुर्माना या छह माह तक कारावास का प्रावधान है। दोबारा पकड़े जाने पर सजा और भी कठोर हो जाती है।

वीडियो वायरल होते ही सोशल मीडिया पर सवालों की बौछार शुरू हो गई— क्या अयोध्या पुलिस इस ड्राइवर पर धारा 184 के तहत कार्रवाई करेगी? या फिर यह मामला भी ठंडे बस्ते में डाल दिया जाएगा?

स्थानीय लोगों का कहना है कि रामपथ पर व्यवस्थाएं हाई-प्रोफाइल हैं, पर जिम्मेदारी निभाने में कुछ ड्राइवर खुलेआम नियमों की धज्जियां उड़ा रहे हैं। ऐसे में वायरल वीडियो ने पुलिस की कार्रवाई की परीक्षा भी तय कर दी है।

डोगरा रेजीमेंट सेंटर में छठवें अग्निवीर बैच की पासिंग आउट परेड संपन्न

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। डोगरा रेजीमेंट सेंटर में गुरुवार को छठवें अग्निवीर बैच की भव्य पासिंग आउट परेड आयोजित हुई। कुल 748 अग्निवीरों ने अनुशासनबद्ध कदमताल के साथ सलामी दी और अपने प्रशिक्षण पूर्ण होने का शानदार प्रदर्शन किया। परेड का नेतृत्व अग्निवीर अर्पित ठाकुर ने किया।समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित मेजर जनरल प्रिंस दुग्गल ने नवप्रशिक्षित जवानों की हौसला-अफजाई करते हुए कहा कि अग्निवीर देश की रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे और सेना की गौरवशाली परंपराओं को आगे बढ़ाएंगे।अग्निवीरों ने 31 सप्ताह का कठोर सैन्य प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया है। इसी क्रम में पूरे कोर्स में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले अग्निवीर वंश शर्मा को गोल्ड मेडल से सम्मानित किया गया, जबकि लोकेश कुमार को ओवरऑल सेकंड बेस्ट का सम्मान मिला।गुरुवार से सभी अग्निवीरों की तैनाती उत्तर प्रदेश और पूर्वोत्तर राज्यों की विभिन्न सैन्य यूनिटों में की जाएगी।कार्यक्रम में ब्रिगेडियर जितेंद्र शर्मा सहित बड़ी संख्या में सैन्य अधिकारी, जेसीओ तथा अग्निवीरों के परिजन मौजूद रहे। इस दौरान नवसैनिकों को राष्ट्र सेवा, अनुशासन और सेना की परंपराओं को निभाने की शपथ भी दिलाई गई।

राममंदिर प्रतिष्ठा द्वादशी समारोह 31 दिसंबर को

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। राममंदिर ध्वजारोहण समारोह सकुशल आयोजित करने के बाद श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र राममंदिर प्राण प्रतिष्ठा की वर्षगांठ को मनाने की तैयारियों में जुट गया है। इस बार राममंदिर प्रतिष्ठा द्वादशी 31 दिसम्बर को पड़ रही है। राममंदिर की प्राण प्रतिष्ठा का आयोजन 2024 को पौष मास की शुक्ल पक्ष द्वादशी 22 जनवरी को समारोह पूर्वक मनाया गया था। इसकी प्रथम वर्षगांठ इसी वर्ष 2025 में 11 जनवरी को उत्सव पूर्वक आयोजित हुआ था पुनः इसी वर्ष वर्ष के अंतिम दिन राममंदिर की प्राण प्रतिष्ठा द्वादशी की द्वितीय वर्षगांठ है। राममंदिर प्राण प्रतिष्ठा द्वादशी में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ने इस बार देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को आमंत्रण पत्र भेजा जिसे उन्होंने स्वीकार कर लिया है। राममंदिर निर्माण के बाद रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह पहली बार राममंदिर के किसी समारोह में भाग लेगे। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के महासचिव चंपतराय ने कल इस आयोजन की व्यवस्था से जुड़े लोगों के साथ बैठक भी की। जिसमें इस आयोजन की तिथि और आयोजन की व्यवस्था पर चर्चा भी हुई।

विश्व दिव्यांग दिवस पर लखनऊ में आयोजित राज्यस्तरीय समारोह

दिव्यांगों की हिम्मत, प्रतिभा व सफलता नए भारत की शक्ति

सीएम योगी ने प्रदर्शनी का अवलोकन कर उनके प्रयासों की सराहना की

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

लखनऊ। विश्व दिव्यांग दिवस के अवसर पर आयोजित सम्मान समारोह में मंगलवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान पहुंचे। सुबह साढ़े 10 बजे पहुंचे सीएम योगी ने दिव्यांगजनों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन किया। समारोह में 500 दिव्यांगजनों को ट्राइसाइकिल, व्हीलचेयर, कान की मशीन सहित विभिन्न सहायक उपकरण प्रदान किए गए।

समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि दिव्यांगजन की संकल्प शक्ति और आत्मबल को पूरा विश्व स्वीकार करता है। उन्होंने कहा कि भारत की ऋषि परंपरा ने कभी भी शारीरिक बनावट को सामर्थ्य का आधार नहीं माना। संत सूरदास और दुनिया के कई उदाहरण दिखाते हैं कि थोड़ी सी सहायता मिलने पर दिव्यांगजन असाधारण कार्य कर सकते हैं। कई बार परिवार अनजाने में दिव्यांग बच्चों की उपेक्षा कर देते हैं, जिससे वे कुंठा का शिकार हो जाते हैं। अगर उन्हें थोड़ा भी सबल मिल जाए तो वे जीवन में बड़ा मुकाम हासिल कर सकते हैं।

उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि यूपी में खेल विभाग के सचिव पैरालंपिक में पदक जीत चुके हैं और चित्रकूट में मंडलायुक्त दृष्टिबाधित होने के बावजूद आईएएस अधिकारी के रूप में सफलतापूर्वक कार्य कर रहे हैं। सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने समाज की सोच बदलने का काम किया। पहले विकलांग शब्द एक नकारात्मक छवि बनाता था, पर अब दिव्यांग कहकर सम्मान की भावना को बढ़ावा दिया गया है।

दिव्यांगता कमजोरी नहीं

सीएम योगी ने कहा कि हमारी ऋषि परंपरा में दिव्यांगता को किसी की कमजोरी नहीं माना गया है। दिव्यांगता का शिकार होने पर एक बच्चा यदि परिवार में उपेक्षित कर दिया जाता है तो ऐसा बच्चा परिवार और समाज का संबल न मिलने के कारण जिंदगी भर उपेक्षित और कुंठित दिखता है। जबकि यदि हम उन्हें संबल दे दें तो अच्छे परिणाम आ सकते हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दिव्यांगजन से कहा कि आपकी हिम्मत, आपकी प्रतिभा और आपकी सफलता ही भारत की नई शक्ति है। सरकार और समाज दोनों आपके साथ पूरी मजबूती के साथ खड़े हैं। मुख्यमंत्री ने 30 व्यक्तियों और संस्थाओं को राज्य स्तरीय दिव्यांग पुरस्कारों का वितरण किया। 46 मेधावी दिव्यांग छात्र-छात्राओं को सम्मानित करने के साथ 500 दिव्यांगजन को उपकरण भी प्रदान किए गए।

इससे पहले योगी आदित्यनाथ कैबिनेट ने मंगलवार को दिव्यांगजनों को बड़ा तोहफा दिया। सरकार ने सभी 18 मंडलों में दिव्यांगजन पुनर्वास केंद्र खोलने का फैसला किया है। सरकार ने राज्य के सभी 18 मंडलों में नए जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र खोलने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। फिलहाल राज्य के 38 जिलों में दिव्यांगजनों के लिए दिव्यांग पुनर्वास केंद्रों का संचालन हो रहा है। अब सरकार ने पूरे ढ़ांचे को नए सिरे से संसाधनों से लैस करते हुए संचालित करने का फैसला लिया है।

पेंशन 300 से बढ़ाकर 1000 रुपये

सीएम योगी ने बताया कि 2017 से पहले प्रदेश में 8 लाख दिव्यांगजन ही पेंशन पाते थे और राशि मात्र 300 रुपये थी। आज यूपी में 11 लाख दिव्यांगजनों को पेंशन मिल रही है और यह राशि बढ़ाकर 1000 रुपये कर दी गई है। पैसा सीधे लाभार्थियों के खाते में जाता है। सीएम योगी ने बताया कि पहले व्हीलचेयर, ट्राइसाइकिल व अन्य उपकरण प्राप्त करना बेहद कठिन था। 2014 के बाद अलिम्को कानपुर और जीडीआरसी को मजबूत करके उपकरण वितरण की प्रक्रिया तेज हुई। सरकार ने अब प्रत्येक मंडल मुख्यालय पर जीडीआरसी केंद्र खोलने का निर्णय लिया है, ताकि दिव्यांगजनों को सभी सुविधाएं एक ही स्थान पर मिल सकें।

बरेली: सूफी टोला में करोड़ों के बारात घर मलबे में तब्दील

रोते-बिलखते, चिल्लाते विरोध करते रहे लोग, चलता रहा बुलडोजर

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

बरेली। यूपी के बरेली में पुराने शहर के सूफी टोला में लोगों की चीख पुकार, विरोध के बीच एवान-ए-फरहत और गुड मैरिज होम बारातघरों पर बुलडोजर गरजता रहा। इस दौरान ध्वस्तीकरण की कार्रवाई को रोकने के लिए महिलाएं बच्चों को गोद में लेकर बुलडोजर के सामने खड़ी हो गईं। अपनी बेबसी का इजहार करती रहीं। लेकिन कार्रवाई नहीं रुकी। मंगलवार को पांच घंटे और बुधवार को सुबह से बुलडोजर एक्शन शुरू हो गया है। दोनों बारातघर आजम खां और मौलाना तौकीर के करीबी लोगों से जुड़े बताए जाते हैं।

मंगलवार को बीडीए की टीम ने इन दोनों बारातघरों का लगभग 40 फीसदी हिस्सा तोड़ा था। बुधवार सुबह होते ही बीडीए टीम दोबारा मौके पर पहुंची और शेष अवैध हिस्सों पर ध्वस्तीकरण शुरू किया। दोनों बारातघरों की कीमत करोड़ों में बताई जा रही है।

सूफो टोला के इन दोनों अवैध बारातघरों के ध्वस्तीकरण का आदेश रविवार को जारी होते ही लोगों की नींद उड़ चुकी थी। सोमवार से ही हर कोई बुलडोजर को लेकर खौफ में था। रात गुजरी तो मंगलवार की सुबह 10 बजे रोज की तरह दुकानदार अपनी दुकानें खोलने पहुंचे। दोनों बारातघरों के ऊपर रहने वाले परिवार के सदस्यों को अंदेशा भी नहीं था कि कुछ ही घंटों बाद वही बारातघर और उनके आशियाने मलबे में तब्दील हो जाएंगे। जैसे ही पुलिस, पीएसी और बीडीए की टीम भारी फोर्स के साथ मौके पर पहुंची, लोगों के होश उड़ गए। बीडीए, पुलिस टीम ने बारातघर और ऊपर के कमरों में रहने वालों को तुरंत परिसर खाली करने को कहा। यह सुनते ही कई लोगों की आंखें भर आईं। लोग सिसकते हुए अपना सामान बाहर निकालते रहे।

सीएम योगी की सख्ती के बाद पूरे प्रदेश में कार्रवाई

घुसपैठियों पर अब तगड़ा एक्शन डिटेंशन सेंटर बनाने का निर्देश

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों पर बड़ी कार्रवाई शुरू हो गई है। सीएम योगी ने इस संबंध में 17 नगर निकायों को निर्देश दे दिए हैं। निर्देश में कहा गया है कि नगर निकायों में काम करने वाले रोहिंग्या और बांग्लादेशियों की सूची बनाएं और कमिश्नर व आईजी को सौंपें।

कमिश्नर व आईजी को प्रथम चरण में डिटेंशन सेंटर बनाने का निर्देश दिया गया है। ये डिटेंशन सेंटर प्रदेश के हर मंडल में बनाए जाएंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश के बाद अधिकारी एक्शन में आ गए हैं।

उत्तर प्रदेश में से विदेशी घुसपैठियों को बाहर करने के लिए दिल्ली की तर्ज पर जिलों में डिटेंशन सेंटर बनाए जाएंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश के बाद कई कार्रवाई शुरू कर दी गई है। उनको वापस भेजने की प्रक्रिया पूरी होने तक डिटेंशन सेंटर में रखने के लिए जगह तलाशी जा रही हैं। शासन के निर्देश पर जिलों में खाली सरकारी इमारतों, सामुदायिक केंद्र, पुलिस लाइन, थाने आदि चिन्हित किए जा रहे हैं, जहां घुसपैठियों को कड़ी सुरक्षा में रखा जा सके।

डिटेंशन सेंटरों पर खाने-पीने और इलाज की भी सुविधा

दिल्ली में करीब 18 डिटेंशन सेंटर चल रहे हैं, जिनमें तकरीबन 1500 विदेशी नागरिकों को कड़ी सुरक्षा बंदोबस्त में रखा गया है। इनमें अवैध रूप से सीमा पार करके आए बांग्लादेशी, रोहिंग्या और अफ्रीकी मूल के देशों के नागरिक हैं।